Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य

माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 78 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शुक्रवार 03 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

सार समाचार

भारत और पाकिस्तान ने अपने परमाणु ठिकानों की सूची एक-दूसरे को सौंपी, एमईए ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान ने एक बार फिर परमाणु सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए बुधवार को एक-दूसरे को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची सौंपी। यह दोनों देशों के बीच एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दोनों देशों ने आज नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं पर हमले के निषेध पर समझौते के तहत आने वाले परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। यह समझौता दोनों देशों के बीच 1991 से लागू है और इसके तहत दोनों देश हर साल जनवरी में एक-दूसरे को अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची देते हैं।

यह समझौता दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और शांतिपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। हालांकि, दोनों देशों के बीच कई मुद्दे अभी भी बाकी हैं जिन पर बातचीत की जरूरत है।

जगदलपुर में श्री वेदमाता गायत्री महाविद्यालय का भूमिपूजन

वसुधैव कुटुम्बकं और देशभक्ति का पाठ पढ़ाती है हमारी सनातन परम्परा : मुख्यमंत्री साय

रायपुर(समय दर्शन)। कोई भी देश तभी मजबूत रह सकता है जब उसकी बुनियाद मजबूत हो। हमारे देश की बुनियाद हमारी सनातन परंपराओं में है। सनातन परंपरा हमें वसुधैव कुटुम्बकं की सीख देती है और देशभक्ति का पाठ पढ़ाती है। अपने देश और राज्य की तरक्की के लिए बहुत जरूरी है कि हम अपनी युवा पीढ़ी को भी सनातन परंपरा के वही संस्कार प्रदान करें जो हमें अपने शिक्षकों और अभिभावकों से मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बस्तर प्रवास के दौरान जगदलपुर के समीप

ग्राम कंगोली में श्री वेदमाता गायत्री महाविद्यालय के भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गायत्री मंत्र हमारी सनातन परंपरा का सबसे महत्वपूर्ण मंत्र है। यह मंत्र हमें सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करता है। विद्या भारती संस्थान में विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षा के साथ-साथ देशभक्ति के संस्कार भी दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है और इसी ध्येय के साथ प्रदेश सरकार शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर भी जोर दे रही है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में आईआईटी, आईआईएम जैसी उच्च स्तरीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान उपलब्ध हैं।

इसके अलावा राज्य में 341 पीएम श्री स्कूल स्थापित किए गए हैं जहां गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। साथ ही प्रदेश के विद्यार्थियों को जरूरी सुविधाएं और अनुकूल वातावरण प्रदान करने नालंदा परिसर भी बड़े शहरों में स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने नई शिक्षा नीति और दिल्ली में प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयारी के लिए बनाए गए यूथ हॉस्टल के संबंध में भी जानकारी दी।

कोर्ट कमिश्नर ने दाखिल की संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट, सील बंद लिफाफे की पेश

संभल (एजेंसी)। संभल की जामा मस्जिद में हरिहर मंदिर होने के मामले में कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव ने दो जनवरी 2025 दिन बृहस्पतिवार को न्यायालय में बंद लिफाफे में सर्वे रिपोर्ट पेश कर दी है। कोर्ट कमिश्नर ने बताया कि तबियत खराब होने की वजह से सर्वे रिपोर्ट न्यायालय में दाखिल करने में देरी हुई।

बता दें कि 19 नवंबर को न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल स्थित चंदौसी की अदालत में शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी और हरिशंकर जैन समेत आठ वादकारियों ने वाद दायर किया था। न्यायालय ने उसी दिन अधिवक्ता रमेश सिंह राघव को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया था और सर्वे करने के आदेश दिए थे। कोर्ट कमिश्नर ने उसी दिन कड़ी सुरक्षा व जिले के आला अधिकारियों की मौजूदगी में सर्वे किया। 24 नवंबर को वह डीएम व एसपी की सुरक्षा में दोबारा सर्वे करने पहुंचे तो बवाल हो गया था। जिसमें पांच लोगों की जान चली गई। कई पुलिस कर्मी भी घायल हो गए थे।

इसके बाद 29 नवंबर को कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश की जानी थी। जिसमें न्यायालय ने कोर्ट कमिश्नर को सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए दस दिन का समय दे दिया था। इसके बाद नौ दिसंबर को सील बंद लिफाफे में सर्वे रिपोर्ट दाखिल की जानी थी। कोर्ट कमिश्नर ने तबियत खराब होने का हवाला देते हुए सर्वे रिपोर्ट तैयार न होने की बात कहते हुए समय की मांग की थी। वहीं जामा मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने समय मांगने को लेकर आपत्ति दाखिल कर दी थी। बृहस्पतिवार को करीब साढ़े चार बजे कोर्ट कमिश्नर रमेश सिंह राघव सर्वे रिपोर्ट लेकर सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल स्थित चंदौसी आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय कक्ष में पहुंचे।

गढ़चिरौली में माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

देवेंद्र फडणवीस सरकार के प्रयासों को पीएम मोदी ने सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नक्सलवाद और माओवादियों के खिलाफ देवेंद्र फडणवीस की सरकार एक्शन मोड में है। गढ़चिरौली में 11 नक्सलियों ने नए साल के पहले दिन आत्मसमर्पण कर दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसे महाराष्ट्र सरकार के प्रयासों का फल बताया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। लिखा, मैं महाराष्ट्र सरकार द्वारा माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के प्रयासों की सराहना करता हूं। इससे निश्चित रूप से जीवन की सुगमता बढ़ेगी और और भी अधिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। गढ़चिरौली और आस-पास के क्षेत्रों के मेरे बहनों और भाइयों को विशेष बधाई।

इससे पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक्स पर कहा, गढ़चिरौली में माओवादियों का प्रभाव था। यहां माओवादियों के प्रभाव को खत्म कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला रास्ता और पुल तैयार किया गया है। यहां पर 75 साल बाद लोगों को एसटी बस देखने को मिलेगी।

नक्सलवाद खत्म करने की डेडलाइन पर उन्होंने कहा कि गढ़चिरौली में अब नए लोग माओवादियों के संगठन में शामिल नहीं हो रहे हैं। जल्द ही राज्य नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा। हम लोगों ने इस ओर कदम बढ़ा दिया है। गढ़चिरौली ऐसा पहला जिला बना दिया गया है जहां माओवादियों का प्रभाव खत्म हो गया है।

सीएम ने गढ़चिरौली में नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस की कोशिशों को सराहा। बोले, यहां पर लोग अब नक्सलवाद का समर्थन नहीं करते हैं। पुलिस की वजह से यहां पर अब कोई माओवादियों के संगठन में शामिल नहीं होना चाहता है।

उन्होंने कहा, पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गढ़चिरौली में बीत चार वर्षों में माओवादी एक भी शख्स को अपने संगठन में नहीं जोड़ पाए हैं।

भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद, जहरीला कचरा पीथमपुर डंपिंग साइट पर शिफ्ट

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) परिसर में पिछले 40 वर्षों से पड़े जहरीले कचरे को आखिरकार इंदौर से लगभग 30 किलोमीटर दूर धार जिले के पथमपुर डंपिंग साइट पर शिफ्ट कर दिया गया।

भोपाल से देर रात प्रशासन और पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 12 कंटेनर ट्रकों में लगभग 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट पीथमपुर के लिए रवाना हुआ।

यूसीआईएल और पीथमपुर के बीच लगभग 250 किलोमीटर की दूरी को कवर करने के लिए एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था।

2 -3 दिसंबर 1984 की रात भोपाल में यूनियन कार्बाइड कीटनाशक फैक्ट्री से अत्यधिक जहरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट लीक हुई थी। जिससे करीब 5,479 लोगों की मौत हो गई थी। हजारों लोगों लंबे वक्त तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझते रहे। इसे दुनिया की सबसे खराब औद्योगिक आपदाओं में से एक माना जाता है।

प्रशांत किशोर ने शुरू किया आमरण अनशन, बीपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग पर अड़े

पटना (एजेंसी)। बीपीएससी के अभ्यर्थियों का साथ देने के लिए प्रशांत किशोर उनके साथ आये थे। अभ्यर्थियों के साथ मिलकर आंदोलन भी किया, जिस वजह से पुलिस ने अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज भी किये थे। यहां तक कि पटना पुलिस ने उनपर प्राथमिकी भी दर्ज की। अब वह आमरण अनशन पर बैठ गये हैं। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने गुरुवार को ही इस बात की घोषणा की थी कि अगर सरकार बीपीएससी परीक्षा को रद्द नहीं करती है तो वह आमरण अनशन शुरू कर देंगे। इस संबंध में प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरी मांगों में परीक्षा रद्द करना और नए सिरे से परीक्षा आयोजित करना है। उन्होंने कहा कि मैं उन भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफभी कार्रवाई की मांग करता हूं जिन्होंने कथित तौर पर परीक्षाओं से भरे जाने वाले पदों को बिक्री के लिए रखा था। पुलिस के द्वारा लाठीचार्ज किये जाने के बाद सरकार ने बात करने कम लिए बुलाया था। फिर प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा से मुलाकात की। उनसे मुलाक़ात के बाद ही प्रशांत किशोर ने इस बात की घोषणा कर दी कि अगर नीतीश कुमार की सरकार बीपीएससी पेपर लीक पर कार्रवाई के लिए मात्र 48 घंटे तक इंतजार करेंगे।

'बांग्लादेशी आतंकियों को प्रवेश देकर बंगाल को अस्थिर करने की साजिश'

ममता का बीएसएफ पर बड़ा आरोप

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पर बड़ा आरोप लगाया। ममता बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल को अस्थिर करने की साजिश हो रही है। बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाली बीएसएफविभिन्न क्षेत्रों से बंगाल में घुसपैठ की अनुमति दे रही है। बांग्लादेशी आतंकी बंगाल में आ रहे हैं। यह केंद्र की नापाक योजना है।

तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी केंद्र सरकार पर आरोप

लगाए। उन्होंने कहा कि कूटनीतिक तरीके से बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र की प्रतिक्रिया अधूरी थी। राज्य के भाजपा नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व से पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के बारे में जवाब देने के लिए कहना चाहिए।

बनर्जी ने कहा कि राज्य के भाजपा नेता जो हर मामले में तृणमूल कांग्रेस सरकार की गलती ढूंढते हैं और विरोध प्रदर्शन करते हैं, वे बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य समुदायों पर जारी अत्याचारों के बारे में केंद्र सरकार की अधूरी प्रतिक्रिया के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। टीएमसी और राज्य सरकार बांग्लादेश की स्थिति पर केंद्र के फैसले और प्रतिक्रिया का पालन करेगी।

सांसद बनर्जी ने कहा कि अगर बंगाल के भाजपा नेता पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में इतने सचेत हैं, तो वे दिल्ली में अपनी सरकार पर उचित जवाब देने के लिए क्यों नहीं दबाव डाल रहे हैं? उन्होंने लोगों से राज्य में शांति और सद्भाव बनाए रखने तथा उन लोगों पर ध्यान नहीं देने का आह्वान किया जो बांग्लादेश का हवाला देकर हिंसा में लिप्त होने और कानून-व्यवस्था को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

टीएमसी पार्षद की गोली मारकर हत्या, ममता बनर्जी ने जताया दुख

पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गुरुवार सुबह तृणमूल कांग्रेस के पार्षद दुलाल सरकार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि टीएमसी पार्षद सरकार को झलझलिया मोड़ इलाके में बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारी। हमले के बाद उनको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

शीतलहर की चपेट में देश के कई राज्य, ठंड और कोहरे को लेकर आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

जयपुर (एजेंसी)। देश के कई राज्य शीतलहर की चपेट में हैं। उत्तर भारत में लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी तो मैदानी क्षेत्रों में सर्द हवा और कोहरे से आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। नए वर्ष का आगाज शीतलहर से हुआ है। एक जनवरी को पंजाब , हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ठंड ने गलन बढ़ा दी। अगले एक हफ्ते तक पारा और लुढ़क सकता है। इसे लेकर आईएमडी ने अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश में गुरुवार को तापमान में सुधार के संकेत दिए गए हैं। सुबह के समय यहां तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस होने

के आसार जताए गए हैं। इससे जहां दिन में सर्दी से लोगों को थोड़ी राहत मिलेगी, तो वहीं रात के समय सर्दी बढ़ेगी। श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी सहित अन्य जिलों में तीन जनवरी के लिए मौसम विभाग की तरफ से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

उधर, उत्तर प्रदेश के छोटे शहरों और कस्बों में भी सर्दी ने लोगों को परेशान कर दिया है। फिरोजाबाद और जौनपुर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड से लोग परेशान हैं। सुबह खेत खलिहानों में विजिबिलिटी बेहद खराब रही और दूर तक कोहरे की घनी चादर दिखी। स्थानीय निवासी ने बताया कि नए साल का दूसरा दिन है और भयंकर कोहरा पड़ रहा है। दूर-दूर तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। सड़कें सुनसान पड़ रही है। इस ठंड की वजह से बुजुर्गों और बच्चों को खासा परेशानी हो रही है। तीन जनवरी से उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई गई है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में भी गलन बढ़ गई है। लोग सर्दी के कहर से खुद को बचाने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सीकर प्रदेश का सबसे ठंडा इलाका दर्ज किया गया है। यहां न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस रहा है। अजमेर में बुधवार रात तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के कई हिस्सों में शीतलहर की चेतावनी भी जारी की है। कोहरे का प्रभाव आज उत्तरी-दक्षिणी और पूर्वी राजस्थान बताया जा रहा है।

वहीं, पंजाब के अमृतसर का भी कुछ ऐसा ही हाल है। दूर-दूर कुछ नजर नहीं आ रहा है। कोहरे की वजह से लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस सर्दी के कहर की वजह से लोग अपने घरों से भी बाहर निकलने से बच रहे हैं। लोग यहां ठंड से बचने के लिए आग सेंक रहे हैं। सड़कों पर वाहनों की संख्या भी कम है। गिने चुने वाहन ही नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग ने बठिंडा, मोगा, मानसा, फिरोजपुर, फाजिल्का, फरीदकोट, मुक्तसर, बरनाला में शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है।

इसके अलावा, पंजाब के कई जिलों में कोहरे का असर भी देखने को मिल रहा है। कई जिलों में विजीबिलिटी जीरो पर पहुंच गई है। मौसम विभाग ने बताया कि चार जनवरी को मौसम फिर करवट बदल सकता है। चार जनवरी को पंजाब के पठानकोट, अमृतसर, गुरदासपुर, तरनतारन और होशियारपुर में हल्की बारिश होने की संभावना जताई है।

गृह मंत्री का कश्मीर पर बड़ा संकेत

शासकों को खुश करने के लिए लिखे इतिहास से छुटकारा पाने का समय

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख थ्रू द एजेस पुस्तक को लॉन्च किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि कश्मीर का नाम ऋषि कश्यप के नाम पर पड़ा होगा। शाह ने कहा कि शासकों को खुश करने के लिए लिखे इतिहास से छुटकारा पाने का समय है। उन्होंने आगे बताया कि अगर भारत को समझना है तो इस देश को जोड़ने वाले तथ्यों को समझना होगा। भारत का इतिहास हजारों वर्ष पुराना है और निर्भरता के समय में कोशिशें की गईं कि हम इसे भुला दें। एक झूठ फैलाया गया कि यह देश कभी एकजुट नहीं हो सकता और लोगों ने इसे मान लिया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा, हमारे देश का इतिहास हजारों साल पुराना

है। हर कोने से दुनिया भर की सभ्यता को कुछ न कुछ देने के लिए कई गतिविधियां हुईं, लेकिन हमारी गुलामी के कालखंड में हमारा प्रजातीय आत्मविश्वास तोड़ने के क्रम में इसको विस्मृत कराने के कई प्रयास किए गए। एक झूठ फैलाया गया कि देश कभी एक था ही नहीं। देश की आजादी की कल्पना ही बेईमानी है, क्योंकि यह देश कभी था ही नहीं। ढेर सारे लोगों ने इस झूठ को स्वीकार कर लिया। जब इसके मूल में जाते हैं तो हमें मालूम पड़ता है कि अंग्रेजों के समय में लिखे गए इतिहास में कोई खराब इरादा नहीं होगा। लेकिन इनके अल्पज्ञान के कारण उनकी देश की व्याख्या ही गलत थी। एक प्रकार से देखे तो दुनिया भर के अधिकांश देशों का अस्तित्व जियो पॉलिटिकल अस्तित्व है। सीमाओं से बने हुए देश हैं,या तो किसी युद्ध से जन्मे हैं।

अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने पर भी बात की

अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए हटाने पर भी बात की। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 और 35ए ये हमारे देश को एक प्रकार से हमारे देश के साथ कश्मीर को एकरूप होने से रोकने वाले योगदान थे। उस वक्त भी जनता यह नहीं चाहती थी। संविधान सभा में भी बहुमत नहीं चाहता था, कि धारा 370 संविधान का हिस्सा बनें। पीएम मोदी के मजबूत संकल्प ने इसे कश्मीर से हटाया, जिसके बाद से कश्मीर और पूरे देश में विकास शुरू हुआ।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने धान संग्रहण केन्द्र अरसनारा का किया निरीक्षण

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने अरसनारा के धान संग्रहण केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अरसनारा में स्थित सेवा सहकारी समिति के प्रबंधक एवं किसानों से चर्चा की। संग्रहक केंद्र में अब तक 6887 मेट्रिक टन भण्डारण हुआ है। बेमेतरा, कवर्धा, खैरागढ़ जिलों की समितियों से भी धान लाया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने स्टेकों को ढ़ककर रखने, पानी निकासी हेतु नाली की व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। उन्होंने हमालों की टोली को 5 से बढ़ाकर 7 करने कहा। प्रतिदिन आ रही गाड़ियों को तुरंत खाली करने की व्यवस्था करने व स्टेक प्लान के अनुसार ही भण्डारण करने के निर्देश दिए।

धान उपार्जन केंद्र ननकट्टी का भी लिया जायजा- कलेक्टर सुश्री चौधरी ने धान उपार्जन केन्द्र ननकट्टी का भी अवलोकन किया। केंद्र के प्रबंधक ने बताया कि अब तक लगभग 800 किसान 40164 क्वि. धान बेच चुके है। कुल 25930 किलो धान का उठाव हो चुका है। कलेक्टर सुश्री चौधरी ने ननकट्टी केंद्र में नये स्टाक का चुनाव करके केन्द्र बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने समय समय पर धान की आद्रता एवं गुणवत्ता का जांच कर खरीदी करने को कहा। ग्राम कृषि विस्तार अधिकारी एवं प्रभारी को रोज की धान आवक की स्टेकिंग करने एवं गुणवता की जांच करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्रभारी खाद्य नियंत्रक टी.एस. अत्री, डी.एम.ओ. भौमिक बघेल व अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

निगम भिलाई एवं रिसाली क्षेत्र में 3 व 4 जनवरी को पेयजल आपूर्ति पूर्णत: बाधित रहेगी

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र से निगम भिलाई एवं रिसाली क्षेत्र में जलप्रदाय किया जाता है। 66 एम.एल.डी. जलशोधन संयंत्र के नगर निगम भिलाई क्षेत्र में स्थित उच्चस्तरीय जलागार को भरने वाली राईजिंग पाईप लाईन यातायात पुलिस थाना नेहरू नगर के परिसर में लिकेज हो गया है। जिसके कारण 24 घंटे पानी का बहाव हो रहा है। पाईप लाईन 800 एम.एम. डाया का होने के कारण संधारण में लगभग 24 घंटे लगने की संभावना है। पाईप लाईन संधारण हेतु आवश्यक सामग्री संग्रहित कर ली गई है। पाईप लाईन संधारण दिनांक 03.01.2025 को किया जायेगा। जिससे दिनांक 04.01.2025 एवं 05.01.2025 को नगर निगम भिलाई के नेहरू नगर, स्मृति नगर, फरीद नगर, स्लाटर हाउस, खहरिया एवं नगर निगम रिसाली के रूआबांधा, नेवई, मरोदा, रिसाली उच्चस्तरीय जलागारों में जलप्रदाय पूर्णत: बाधित रहेगी। संधारण कार्य पूर्ण होने पश्चात पूर्व की भांति जल प्रदाय किया जायेगा।

CRI पंप्स ने हासिल की एक बड़ी उपलब्धि : एमएसईडीसीएल, मुंबई, महाराष्ट्र से 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम के लिए 754 करोड़ रुपयों का ऑर्डर प्राप्त किया

नईदिल्ली। CRI पंप्स ने अपनी प्रतिबद्धता को स्थिरता और अक्षय ऊर्जा समाधान की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंचाते हुए बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL), मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा 25,000 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए शामिल किया गया है। इस ऑर्डर का मूल्य 754 करोड़ रुपये है और यह मागेल त्याला सौर कृषी पंप (MTSKP) योजना का हिस्सा है। इस नियुक्ति के साथ, CRI पंप्स अक्षय ऊर्जा समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने, महाराष्ट्र के कृषि परिदृश्य को सशक्त बनाने और एक हरित एवं अधिक स्थायी भविष्य में योगदान देने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, CRI ग्रुप के चेयरमैन श्री जी. सौंदरराजन ने कहा, हमारे लिए यह सम्मान की बात है कि एमएसईडीसीएल ने इन सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति के लिए हमें चुना है। यह बड़ा ऑर्डर नवाचार और ऊर्जा-कुशल, टिकाऊ पंपिंग समाधानों के विकास में CRI की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमारी मजबूत निष्पादन क्षमताओं, गहन उद्योग विशेषज्ञता और क्षेत्रीय नेटवर्क के साथ, CRI पंप्स इन सिस्टम्स की निर्बाध डिलीवरी और इंस्टॉलेशन सुनिश्चित करता है।

अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर द्वारा मरीजों हेतु नवीनतम तकनीक का उपहार

बिलासपुर (समय दर्शन)। विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा हेतु अग्रणी संस्थान अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर में छत्तीसगढ़ में पहली बार अपने मरीजों की समुचित देखभाल हेतु एक नई सुविधा ए आई तकनीक आधारित रिमोट मॉनिटरिंग सिस्टम और दूसरी द्वारा विकसित अर्ली वार्निंग सिस्टम के साथ बेहतर रोगी सुरक्षा हेतु स्मार्ट बेड की शुरुआत की है। अरनव रद्यहा , संस्था प्रमुख अपोलो हॉस्पिटल्स बिलासपुर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि अपोलो समूह सदैव बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध रहा है, और इसी क्रम में मरीजों की बेहतर स्वास्थ्य मॉनिटरिंग हेतु इस तकनीक को छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर में आत्मसात किया है, जो कि मरीज के उपचार की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि इस तकनीक के माध्यम से मरीज के बिस्तर पर एक सेंसर लगाया जाता है जो कि मरीज के शरीर को कहीं भी स्पर्श नहीं करता और यह सेंसर एक छोटी मशीन से जुड़ा होता है। इसके द्वारा मरीज के रक्तचाप, एसपीओ 2, पल्स, हार्ट रेट, तापमान आदि की निरंतर रूप से निगरानी की जाती है तथा किसी भी असामान्यता की जानकारी तत्काल ही संबंधित नर्सिंग, स्टेशन दूरस्थ अपोलो कमांड सेंटर हैदराबाद जहां अपोलो समूह के 1800 बेड जुड़े हुए हैं, को तथा संबंधित चिकित्सक को प्रेषित हो जाती है और मरीज के समीपस्थ उपस्थित स्टाफ के द्वारा तुरंत ही मरीज को आवश्यक उपचार प्रदान कर दिया जाता है।

इस तकनीक से मरीज के उपरोक्त वर्णित पैरामीटर में होने वाले असामान्य परिवर्तन का तत्काल ही पता लगने से मरीजों को त्वरित उपचार कर उनके जीवन को बचाने में कारगर सिद्ध होता है।

छत्तीसगढ़ में सर्वप्रथम इस तकनीक अपोलो हॉस्पिटल बिलासपुर द्वारा आरंभ किया जा रहा है तथा सभी संबंधित स्टाफ एवं चिकित्सकों को संबंध में प्रशिक्षण दिया गया है, जिसका लाभ अंचल के सभी मरीजों को प्राप्त होगा। उन्होंने आगे बताया। की आरंभिक 10 बिस्तरों के परिणामों को देखने के उपरांत आगे भी इसके विस्तार की योजना बनाई जाएगी।

आम लोगों को वितरण किया गया छत्तीसगढ़ जनमन पत्रिका

मुंगेली (समय दर्शन)। जनपद पंचायत मुंगेली में आमलोगों को जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित शासन की योजनाओं एवं उपलब्धियों पर आधारित मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन का वितरण किया गया। इसे लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे लोगों ने जनमन पत्रिका प्राप्त कर कहा कि इसमें शासन की नई-नई योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी मिलती है। उन्होंने पत्रिका को उपयोगी बताया और अन्य लोगों को भी पठन के लिए प्रेरित करने की बात कही।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरकार द्वारा आमलोगों के हित में जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं, जिसकी जानकारी आमलोगों को इन्हीं पत्रिकाओं के माध्यम से मिलती है। इस पुस्तिका में शासन की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों से जुड़ी अद्यतन जानकारी बहुत ही सरल ढंग से दी गई है। इसे पढ़ने से न केवल शासन की नीतियों और कार्ययोजनाओं के प्रति गहरी समझ विकसित होती है, बल्कि पी.एस.सी.,व्यापम जैसी राज्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण साबित होगी।

ऐतिहासिक कलश यात्रा के साथ हुई 24 कुंडिय गायत्री महायज्ञ की शुरुआत

2 से 5 जनवरी तक होगा आयोजन

कलश यात्रा में उमड़ी हुजूम, छग़ के लोक संस्कृति का भी हुआ दर्शन

पाटन। ग्राम सेलूद में 24 कुंडिय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ की शुरुआत आज कलश यात्रा के साथ हुई। कलश यात्रा में 5100 से अधिक महिलाओं, बालिकाओं ने सिर पर कलश धारण कर यात्रा में शामिल हुई।

प्रात 11 बजे गायत्री महायज्ञ की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन कर किया। इसके बाद गायत्री मंत्रों के साथ कलश यात्रा की शुरुआत हुई। शांति कुंज हरिद्वार से आए टोली ने कलश पूजन कराया। इसके बाद कलश यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू हुई। कलश यात्रा के बीच बीच में रिले नृत्य, राउत नृत्य, पंथी नृत्य, गौरा गौरी शोभा यात्रा, के साथ धमाल पार्टी भी अपनी प्रस्तुति दे रही रही थी। इसके अलावा कलशयात्रा में शुरू में घोड़े गाड़ी में सवार मां गायत्री और ऋषि मुनि को बिठाया गया था। खुली जीप भी चल रही थी। इस कलश यात्रा में हजारों महिला पुरुष के साथ सांसद विजय बघेल, रजनी बघेल, पूर्व विधायक दयाराम साहू, श्रीमती रामशिला साहू, अशोक सिंह राजपुत, जिला पंचायत सदस्य खेमीन साहू, जयश्री वर्मा, खेमलाल साहू, संजय यदु, अजय सिंह, बलराम यादव सहित अन्य चल रहे थे। लगभग एक सौ वालेंटियर कलश यात्रा में अपनी सेवाएं दे रहे थे। कलश यात्रा के बाद हरिद्वार से आए टोली द्वारा भजन प्रवचन दिया गया। शाम को आरती पश्चात फ्ल वितरण और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से गायत्री परिवार के परिजन मौजूद रहे। यज्ञ के दूसरे दिवस 3 जनवरी की सुबह 8 बजे से 24 कुंडिय गायत्री महायज्ञ के साथ शुरू हुआ । इस अवसर पर मुख्य रूप से रमेश देवांगन, महेश्वर बंछोर, तारेंद्र बंछोर, सुरेंद्र बंछोर, सहित अन्य मौजूद रहे।

भारतीय जीवन बीमा निगम में छठवी बार एमडीआरटी के सदस्य बन एक अलग पहचान बनाई - निखिल बानी

सारंगढ़ (समय दर्शन)। किसी ने सच ही कहा है कि - कीचड़ से कमल और कोयले से हीरा कर्मवीर ही बन पाते हैं वैसे हैं हमारे युवा हृदय सम्राट निखिल कुमार बानी जो भारतीय जीवन बीमा निगम में अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए लगातार छठवीं बार एमडीआरटी (मिलेनियम डॉलर राउंड टेबल) की सदस्यता हासिल किये है । जीवन के सभी क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाने वाले राजनीति के धूमकेतु, सामाजिक सरोकारों से जुड़े , कर्मयोगी व्यापारिक के रूप में भी अपना अलग पहचान निखिल बानी का है । यें भाजपा पार्टी से विलांग करते है, 18 साल के उम्र में ही ये अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य बन गए थे । यही स्कूल की राजनीति से ये राजनीति की शुरुवात किये, फिर कॉलेज पहुंच कर राजनीति में अपनी अलग पहचान बनायें । इस दौर में युवा मोर्चा के महामंत्री का दायित्व मिला था फिर सरंगढ़ भाजपा में मंडल के उपाध्यक्ष बने, वर्तमान में सरंगढ़ जिला बनने के बाद भाजपा जिला मंत्री का दायित्व मिला है । निखिल बानी को विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बड़ी और महत्वपूर्ण जवाबदारी मिला जिसको इन्होंने बखुबी निभाया । जिससे राजनीति में इनकी अलग पहचान बनी और ये भाजपा जिला अध्यक्ष पद के दावेदार भी है सरंगढ़ जिला अध्यक्ष पेनल में इनका नाम भी जिला अध्यक्ष के लिए गया हुआ है इसके साथ ही साथ निखिल कुमार बानी, सारंगढ़ केशरबानी समाज के महामंत्री भी है और चेम्बर ऑफ कॉमर्स में सारंगढ़ जिला के महामंत्री है। इनकी यह भी उपलब्धि कहा जा सकता है कि - समाज सेवी संस्था लायन्स क्लब से भी जुड़े हुए है , इसमें वो सचिव पद की भूमिका निभा चुके है । व्यापार में भी इनकी प्रतिष्ठान शैली म्यूजिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सेंटर अपना अलग पहचान बना चुकी है । निखिल बानी की एक खासियत यह है ये कभी हार नही मानते जो काम उनको मिलता है चाहे वो किसी भी क्षेत्र का रहे उस कार्य को पूर्ण किए बिना हार नही मानते निखिल कुमार बानी बहुत ही सरल स्वभाव के है ये अपने भारतीय जीवन बीमा निगम के अपने माता-पिता भाई बहन, ग्राहक(कस्टमर) ,केशरवानी समाज व अपने दोस्तों को इस टारगेट को पूरा करने में सहयोग दिए इसके लिए सभी का बहुत बहुत धन्यवाद कहा।

स्वच्छता पर ध्यान, गंदगी फैलाने वाले 8 लोगों पर लगाया जुर्माना

निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की नियमित हो रही मॉनिटरिंग

दुर्ग। स्वच्छता सर्वेक्षण के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन द्वारा सफाई पर फोकस किया जा रहा है। निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की नियमित हो रही मॉनिटरिंग। इस क्रम में निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल ने वार्ड 54 पोटिया इलाके का निरीक्षण किया। इस दौरान होटल व पान ठेला दुकानदार द्वारा नाली व सड़क पर गंदगी फैलाए जाने के कारण 8 लोगो से 200-200 कुल 1600 रुपये जुर्माने की कार्रवाही की गई। साथ ही दुकान के बाहर किनारे कचरा फैलाने पर भी जुर्माना की कार्रवाई की गई। इस तरह चार दुकानदारों पर जुर्माना लगाया गया।

निगम कमिश्नर अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने भी शहर के वार्ड 54 पोटिया क्षेत्र में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कार्रवाही के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने दुकानदारों को नियमित रूप से साफ-सफाई रखने और गीला-सूखा कचरा अलग-अलग कर देने की समझाइश दी। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि गंदगी फैलाने पर शहर में मार्केट क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर लगातार चालान की कार्रवाई लगातार जारी गई है।

36वाँ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का हुआ शुभारंभ

कलेक्टर-एसपी ने यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मुंगेली (समय दर्शन) जिला मुख्यालय स्थित पड़ाव चौक में 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने यातायात जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जागरूकता रथ 31 जनवरी तक जिले में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार करेगी।

सभी लोग यातायात को लेकर जागरूक रहें - कलेक्टर- कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह स्वयं के साथ-साथ दूसरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है। सड़क पर चलते समय सतर्क रहना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। मोबाइल फोन का उपयोग करते समय सड़क पार बिल्कुल भी न करें। इसके अलावा यदि वाहन चला रहे हैं, तो गति सीमा का पालन करें और संकेतों का ध्यान रखें। जिले में यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चले, जो नियमों का उल्लंघन करता है, उनका लाईसेंस निरस्त करने की कार्रवाई करें। सभी लोग यातायात को लेकर जागरूक हों, ताकि कम उम्र में खोने वाली जिंदगियों को बचाया जा सके। कलेक्टर ने बताया कि सरगांव क्षेत्र से 04 जगहों पर ब्लैक स्पॉट का निराकरण पुलिस विभाग के प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा किया गया है। वहां लाइटिंग सहित अन्य व्यवस्था अच्छी हो गई है।

यातायात नियमों के बारे में जानकारी अवश्य रखें - पुलिस अधीक्षक- पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह न केवल सड़क सुरक्षा बढ़ाने का प्रयास है, बल्कि लोगों को जागरूक करने का एक अनूठा तरीका भी है। इससे दुर्घटनाएं कम होने के साथ यातायात नियमों के प्रति नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार से वाहन का इस्तेमाल करता है। हम सभी यदि वाहन और यातायात नियमों के बारे में जानकारी नहीं रखेंगे, तो निश्चित रूप से बड़ी संकट में फंस सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपने वाहन का नियमित जांच कराएं।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवनीत कौर छाबड़ा ने बताया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत 31 जनवरी तक आम नागरिक, स्कूल, कॉलेजों, युवाओं को नियमों के प्रति जागरुक करने प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना है। उन्होने यातायात नियमों के बारे में जानकारी दी और कहा कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी ना बैठाएं, सतर्क रहे, सुरक्षित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक, मीडिया प्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सार समाचार

नाले में मिला एक बच्ची का शव

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी में नाबालिग बालिका का शव नाले में मिलने से हड़कंप मच गया है। पुलिस और एफएसएल की टीम घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची है। मृतिका की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले को हत्या से जोड़कर इसकी जांच शुरू कर दी है। घटना खमतराई थाना इलाके की है। जानकारी के मुताबिक, नाबालिग का शव खमतराई क्षेत्र के बिलासपुर रोड रावाभांठा के एक सुखे नाले में मिला है। मृतिका की उम्र लगभग 16 से 17 वर्ष के बीच बताई जा रही है। आशंका जताई जा रही है कि बालिका को पहले मारा गया, फिर उसके शव को नाले के पास फेंक दिया गया।

निमोरा में 4000 किलो नकली पनीर जब्त

रायपुर(समय दर्शन)। नकली पनीर बनाने का बड़ा अड्डा बना हुआ है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई करते हुए निमोरा में नकली पनीर की फैक्ट्री पकड़ी है। छापेमारी के दौरान वहां भरी गंदगी में पनीर बनाने के साथ उसके पैकिंग का सामान बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान 4000 किलो नकली पनीर जब्त किया गया है, जिसे दूध के उपयोग के बिना इनग्रेडिएंट्स डालकर तैयार किया जाता था। बरामद पनीर की कीमत 15 लाख रुपए आंकी गई है। पनीर से बनने वाली सब्जी से लेकर अन्य पकवान सभी वर्ग के लोगों का पसंदीदा है। इसकी डिमांड त्योहार, शादी-ब्याह सहित विभिन्न आयोजन में काफी है। खपत को देखते हुए आम लोगों की सेहत को जोखिम में डालने वाला नकली पनीर का धंधा भी बेहद फल-फूल रहा है। रायपुर में ही नकली पनीर बनाने का कारोबार जोर शोर से चल रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा लगातार दूसरे दिन की गई बड़ी कार्रवाई इसका प्रमाण है। सोमवार को बीरगांव में ढाई हजार किलो नकली पनीर के साथ बनाने वाला कारखाना पकड़ा गया था। उसी टीम को मंगलवार को और बड़ी सफलता मिली और निमोरा पुल के पास चलने वाली फैक्ट्री को खुलासा हुआ। एसजे मिल्क प्रोडक्ट नामक इस फैक्ट्री में बिना दूध के उपयोग के पनीर तैयार किया जाता था। कंपनी का संचालक आकाश बंसल मूलत: मुरैना का रहने वाला है और पिछले एक साल से रायपुर की इस फैक्ट्री से गोरखधंधे के अंजाम दे रहा था। फैक्ट्री में तैयार होने वाले पनीर को पैक करने का सामान भी मिला है, जिसे जब्त कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान पनीर निर्माण से संबंधित किसी भी प्रकार के स्टॉक रजिस्टर, कीट रहित प्रणामपत्र, पैकिंग में पोषणकारी मान जैसे प्रोटीन की मात्रा आदि की जानकारी भी नहीं दी गई है।

न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया रवाना

हेलमेट जागरूकता बाईक रैली के साथ 36 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का हुआ आगाज

एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह, स्वयं बाईक चलाकर हेलमेट पहनकर कर वाहन चलाने दिया संदेश

रायपुर(समय दर्शन)। नया साल 2025 के शुभारंभ होते ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा दिनांक 01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक 36 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किये जाने आदेशित किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में यातायात पुलिस रायपुर एवं अंतर विभागीय लीड एजेंसी पुलिस मुख्यालय रायपुर द्वारा आज दिनांक 01 जनवरी 2025 को हेलमेट जनजागरूकता बाईक रैली के साथ 36 वॉ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 का शुभारंभ किया गया, जिसे मान. न्यायमर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे अध्यक्ष, सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर उक्त रैली को रवाना किया गया। इस बाईक रैली में डॉ. लाल उमेंद सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर, डॉ. अनुराग झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर, श्री गुरजीत सिंह एवं श्री सतीष ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर द्वारा दोपहिया वाहन चलाकर आम नागरिकों को दोपहया वाहन चालन के दौरान अनिवार्य रूप से हेलमेट धारण करने के लिए प्रेरित किया गया। बता दे कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष माह जनवरी में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जाता है जिसका मकसद, वाहन चालकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं को कम करना है। सड़क सुरक्षा माह के दौरान यातायात पुलिस जिले के विभिन्न स्कूल, कालेज, शैक्षणिक संस्थानों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग/राजकीय राजमार्ग के किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में कई तरह की गतिविधियॉ और आयोजन कर लोगों को यातायात नियमों से संबंधित जानकारी देकर नियमों का पालन कर वाहन चलाने हेतु प्रेरित किया जाता है साथ ही यातायात नियमों का पालन नही करने से होने वाले जान माल की हानि के बारे में बताया जायेगा। जिसका प्रमुख उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण कर सुगम सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाना है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के निर्देशानुसार 36 वॉ सड़क सुरक्षा माह 2025 का शुभारंभ हेलमेट जागरूकता बाईक रैली के साथ किया गया। जिसका प्रमुख उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों में हेलमेट के प्रति जागरूकता लाना है। क्योंकि वर्ष 2024 में घटित सड़क दुर्घटना प्रकरणों का अवलोकन करने पर सबसे ज्यादा मृत्यु दोपहिया वाहन में हुई है जिसका मुख्य कारण सिर में गंभीर चोट आने से होना पाया गया। यदि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट धारण कर वाहन चलाना प्रारंभ करेंगे तो निश्चित ही सड़क दुर्घटना में मृत्यु के प्रकरणों में 40-50 ब की कमी लाई जा सकती है।

हैदराबाद की कंपनी सरकार से सांठगांठ कर बेच रही नौकरियां : दीपक बैज

राज्य में चल रहे वन व पुलिस आरक्षक भर्ती की जांच की मांग

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रदेश भर के सभी जिलों में चल रही पुलिस एवं वन आरक्षक भर्ती प्रक्रिया रद्द किया जाये। अभी तक की भर्ती प्रक्रिया की जांच कराई जाये। हैदराबाद की निजी कंपनी जो वन विभाग और पुलिस विभाग में शारीरिक परीक्षा करवा रही उसको ब्लेक लिस्टेड किया जाये। कंपनी और सरकार में बैठे हुए लोग मिलीभगत कर करके नौकरियां बेच रहे। हैदराबाद की इसी निजी कंपनी को अलग-अलग जिलों में लगभग 6000 आरक्षकों के पदों पर भर्ती के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। इसी सरकार में ही पूर्व में इसी कंपनी ने वन रक्षकों की भर्ती में फिजिकल टेस्ट के इवेंट को कवर किया था, उस पर भी अनेकों सवाल उठे, लेकिन आज तक सरकार ने जांच कराना तक जरूरी नहीं समझा। भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा सत्ता में बैठे बड़े लोगों के संरक्षण के बिना संभव ही नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार नौकरियों का व्यापार कर रही है। प्रदेश में वन एवं पुलिस की भर्तियों में बोलियां लग रही। कांग्रेस मांग करती है इन भर्तियो को रोक कर पूरी भर्ती प्रक्रिया की सीबीआई से अथवा उच्च न्यायालय के जज से जांच करवाई जाये। जिलों में आरक्षक भर्ती के साथ वन विभाग में वन रक्षकों की भर्ती में भी घपले हो रहे है। पूरे प्रदेश के सभी जिलों में चल रही आरक्षक भर्ती और वन विभाग की भर्तियों में खुले आम बोलियां लगाई जा रही है। राजनांदगांव आरक्षक भर्ती के भ्रष्टाचार का खुलासा भी हो चुका है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बड़े अधिकारियों और सत्ता रूढ़ नेताओं चहेतो की भर्तियां सुनिश्चित करने शारीरिक परीक्षण में अधिक नंबर पक्षपात पूर्वक दिया जा रहा है। हैदराबाद की एक कंपनी को वन एवं पुलिस विभाग में शारीरिक परीक्षण का ठेका दिया गया। कंपनी से मिली भगत करके पूरा गड़बड़ किया जा रहा है।

ये साल में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि : ग्रीन जीडीपी के लिए बना देश का पहला राज्य

रायपुर(समय दर्शन)। नये साल की पूर्व संध्या पर छत्तीसगढ़ ने कीर्तिमान रचा है। नये साल 2025 में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को ग्रीन जीडीपी के साथ जोड़ने की पहल शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इससे पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के व्यापक मूल्य को मापकर छत्तीसगढ़ में विकास की गति को आगे बढ़ाया जायेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विज़न और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप विज़न डॉक्यूमेंट तैयार कर रही है, जिसमें वन विभाग नेसंचालित पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के मूल्यांकन की अवधारणा शामिल है। यह समग्र दृष्टिकोण राज्य में पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन बनाए रखने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जिससे आने वाली पीढ़ियों के लिए सतत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित हो सके। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यांकन न केवल बजटीय योजना को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगा, बल्कि भविष्य की रणनीतियों को दिशा प्रदान करेगा, धन आवंटन को अधिक प्रभावी बनाएगा और वानिकी विकास के प्रयासों को सशक्त करेगा। यह प्रक्रिया सतत विकास और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। छत्तीसगढ़ में संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम ने स्थानीय समुदायों को और अधिक सशक्त बनाया है। गुरु घासीदास, कांगेर घाटी और इंद्रावती जैसे राष्ट्रीय उद्यानों के साथ छत्तीसगढ़ में प्रकृति आधारित पर्यटन के लिए असीम संभावनाएं हैं। स्थानीय निवासियों को जंगल सफारी, नेचर ट्रेल्स और इको-कैंपिंग जैसी सुविधाओं के प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है, जिससे न केवल सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को भी सशक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है। यह राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत आधार हैं और लाखों लोगों की आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।ये वन विभिन्न प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ प्रदान करते हैं। वनों से प्राप्त होने वाले अन्य महत्वपूर्ण अमूर्त लाभ अक्सर उपेक्षित रहते हैं और उनका उचित मूल्यांकन नहीं हो पाता। इनमें जलवायु संतुलन बनाए रखने के लिए कार्बन अवशोषण, कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परागण, पोषक तत्वों का चक्रण, मृदा उर्वरता में सुधार और जैव विविधता संरक्षण जैसी सेवाएं शामिल हैं।

उत्कृष्ट समाज सेवाओं के लिए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने डॉ अजय सहाय को दिया राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर (समय दर्शन)। हैदराबाद में आयोजित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की नेशनल कांफ्रेंस में रायपुर के वरिष्ठ चिकित्सा विशेषज्ञ एवं समाज सेवी प्रो डॉ अजय सहाय डॉ ज्वाला प्रसाद गांगुली स्मृति राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए गए। यह पुरस्कार वंचित समाज की दीर्घकालीन निस्वार्थ सेवाओं के लिए दिया जाता है। विदित हो कि छत्तीसगढ़ एवं आसपास के राज्यों में गरीबों के डॉक्टर के नाम से प्रसिद्ध डॉ अजय सहाय विगत कई दशकों से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों, ट्राइबल एवं नक्सल प्रभावित अंचलों एवं समाज के कमजोर वर्गों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा मुहैया करवा रहे हैं। जरूरतमंदों छात्र छात्राओं को वो स्टेशनरी एवं स्पोर्ट आइटम्स, चरण पादुकाएं, छतरियां, टिफिन बॉक्स,रेनकोट , सेनेटरी नैपकिंस आदि भी उपहार स्वरूप प्रदान करते हैं । समाज को सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूक करने के लिए गोष्ठियों एवं विभिन्न प्रकार के इन्फोटेनमेंट प्रोग्रामों का भी आयोजन करते हैं और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी करते हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस में उदघाटन अवसर पर तेलांगना के राज्यपाल श्री जीशनू देव वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। चिकित्सकों की सबसे बड़ी राष्ट्रीय संस्था द्वारा आयोजित इस कांफ्रेंस में देश भर से सैकड़ों चिकित्सकों ने हिस्सा लिया।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने दुबई की सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में निवेश पूरा किया

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई: 532850, एनएसई: MICEL), जो एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिजाइन, विकास और निर्माण में वैश्विक स्तर पर अग्रणी है, ने दुबई स्थित अपनी सहायक कंपनी एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलएलसी में 51 करोड़ के निवेश को पूरा करने की घोषणा की है। यह सहायक कंपनी इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के स्पेयर पार्ट्स ट्रेडिंग में कार्यरत है। हाल ही में कंपनी को जीपीएस आधारित पब्लिक एड्रेस एंड पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम (PAPIS) और एसी एवं नॉन-एसी रेलवे कोचों में एलईडी डेस्टिनेशन बोर्ड्स के लिए क्षमता एवं योग्यता मूल्यांकन (कैपेसिटी कम कैपबिलिटी असेसमेंट) (CCA) की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके अलावा, कंपनी ने एमआईसीके डिजिटल इंडिया लिमिटेड नामक एक पुरे मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी का गठन किया है। यह सहायक कंपनी सभी प्रकार के स्मार्ट मीटर, डिजिटल मीटर, रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट्स (RMPU), इंटीग्रेटेड पावर सप्लाई (IPS) सिस्टम, मिनी कंप्यूटर, माइक्रोप्रोसेसर आधारित सिस्टम और कंप्यूटर पेरिफेरल्स के निर्माण और व्यापार के लिए कार्य करेगी।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने क्रिकेट खेला। पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ, रायपुर में आयोजित वार्षिक खेल उत्सव 2024-25 के समापन समारोह में शामिल हुई। मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, 30 व 31 दिसंबर 2024 को आयोजित इस भव्य उत्सव में महिला क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी, रस्सी खींच, रस्सी कूद जैसी खेल प्रतियोगिताओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी को आनंदित किया।

मुख्यमंत्री साय श्रद्धांजली कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज धमतरी जिले के मगरलोड विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसवानी स्थित अपने समधी श्री टीकाराम कंवर के निवास पहुंचकर उनकी माताजी स्वर्गीय श्रीमती अडारन बाई कँवर के श्रद्धांजली कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने स्वर्गीय श्रीमती अडारन बाई कंवर के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। इस अवसर पर कँवर समाज के अध्यक्ष श्री हरवंश मिरी, पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू निषाद, पूर्व विधायक श्री श्रवण मरकाम, श्री द्वारिका राम कंवर, श्री हेमलाल कंवर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सहित कलेक्टर सुश्री नम्रता गांधी, पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय व ग्रामीणजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर इस दु:खद घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदाय करने की कामना किया। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के समधी श्री टीकाराम कंवर की माताजी श्रीमती अडारन बाई कँवर का 28 दिसम्बर 2024 को स्वर्गवास हो गया था, जिसका आज शोक कार्यक्रम (पंचनहावन) रखा गया था।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने नए साल के पहले ही दिन उप मुख्यमंत्री अरुण साव उतरे फील्ड पर

अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना का काम देखा

इंटेकवेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

रायपुर(समय दर्शन)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव जल जीवन मिशन के कार्यों को गति देने आज नए साल के पहले ही दिन फील्ड पर उतरे। वे आज राजधानी रायपुर से करीब 75 किलोमीटर दूर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना का काम देखने पहुंचे। उन्होंने दामाखेड़ा के पास ग्राम तोरा में शिवनाथ नदी के चक्रवाय एनीकट पर योजना के लिए तैयार हो रहे इंटेकवेल और ग्राम किरवई में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों कार्यों के निर्माण में तेजी लाते हुए समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुलहक, जल जीवन मिशन के संचालक सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे और पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा भी इस दौरान मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज योजना के इंटेकवेल और वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का बारिकी से निरीक्षण किया। उन्होंने किरवई में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की ड्राइंग-डिजाइन देखकर जल शोधन की प्रक्रिया समझी। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी से निर्माण कार्यों में उपयोग हो रहे सामग्रियों एवं निर्माण की गुणवत्ता की टेस्टिंग के बारे में पूछा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को दोनों साइट्स का नियमित भ्रमण कर कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साव ने निर्माण एजेंसी से कहा कि इस पूरे क्षेत्र में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति के लिए यह एक बड़ी और महत्वपूर्ण योजना है। इससे 50 गांवों को पेयजल मिलेगा। इसके सभी घटकों का काम अच्छा होना चाहिए। उन्होंने पाइपलाइन बिछाने और गांवों में टंकी निर्माण के कार्यों की प्रगति की भी जानकारी ली। अगमधाम-खंडवा मल्टी-विलेज जल प्रदाय योजना से सिमगा विकासखंड के 50 गांवों के 15 हजार से अधिक परिवारों को शुद्ध पेयजल मिलेगा। शिवनाथ नदी पर तोरा गांव में बने चक्रवाय एनीकट से पानी लेकर गांव-गांव में निर्मित पानी टंकियों के माध्यम से हर घर में नल से जल की आपूर्ति की जाएगी। करीब 75 करोड़ रुपए लागत की इस योजना का 40 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। योजना का काम इस साल जून तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के सड्डु में सिंगल-विलेज जल प्रदाय योजना का भी अवलोकन किया। उन्होंने पानी टंकी पर चढ़कर निर्माण की गुणवत्ता देखी। उन्होंने गांव के घरों में जाकर नल से आ रही पानी की धार भी देखी। साव ने सरपंच, पंचों, अन्य ग्रामीणों और महिलाओं से चर्चा कर जलापूर्ति के संबंध में फीडबैक भी लिया। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह-शाम दोनों समय नल से पर्याप्त पानी आ रहा है। सड्डु में पूर्व से ही संचालित नल जल योजना के तहत 212 घरों में नल कनेक्शन दिए गए थे। जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में दूसरी पानी टंकी के निर्माण के बाद 292 और घरों में नल कनेक्शन दिए गए हैं। दोनों को मिलाकर अब गांव में 504 नल कनेक्शन हो गए हैं। टंकियों को भरने के लिए यहां दो जलस्रोत स्थापित हैं। उप मुख्यमंत्री साव ने ग्रामीणों से चर्चा के दौरान कहा कि घर-घर लगे नल, गांव में स्थापित पानी की टंकियां और जलस्रोत आपके ही हैं। आप लोगों को ही इनका इस्तेमाल, संधारण, रखरखाव और सुरक्षा करनी है। योजना पूर्ण हो जाने के बाद नल जल योजना का संचालन भी ग्राम पंचायतों को ही करना है।

संपादकीय

व्यापार घाटे में बढ़ोतरी

समाधान देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन, व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है।

चालू वित्त वर्ष में सिर्फ दो महीने ऐसे रहे, जब वस्तु व्यापार में उसके पिछले महीने की तुलना में व्यापार घाटा कम हुआ। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। इसका सीधा कारण तो निर्यात की तुलना में आयात का तेजी से बढ़ना है, लेकिन इस बड़ी कहानी के अंदर कुछ बारीक अहम तथ्य भी हैं। नवंबर में गुजरे वर्ष के इसी महीने की तुलना में आयात 27 फीसदी बढ़ा, वहीं निर्यात 4.7 प्रतिशत गिरा। सरकारी अधिकारी चूंकि हर नकारात्मक खबर के बचाव की दलील ढूंढ कर आते हैं, इसलिए उन्होंने नवंबर के आंकड़ों के बारे में कहा कि बीते महीने सोने का आयात तेजी से बढ़ा, जबकि प्रमुख रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का निर्यात घटने की वजह से कुल निर्यात आंकड़ों में गिरावट दिखी। यानी चिंता की कोई बात नहीं है। वैसे स्वर्ण आयात बढ़ने का रास्ता सरकार ने ही साफ किया है। इस पर आयात शुल्क में भारी कटौती और यूएई से मुक्त व्यापार समझौते का इसमें प्रमुख योगदान है। उधर रूस से सत्ता तेल खरीद कर अमेरिका और यूरोप निर्यात करने का रुझान ठंडा पड़ गया है। ऐसे पेट्रोलियम निर्यातक दूसरी जगह बाजार ढूंढ रहे हैं, लेकिन अभी इसमें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है। वैसे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी का कारण और भी है। भारत के निर्यात लगातार आयात निर्भर होते गए हैं। प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव जैसी योजनाओं के कारण प्रमुख इनपुट्स का आयात कर निर्मित वस्तुओं के निर्यात का चलन बढ़ा है। इस तरह भारत का जितना निर्यात बढ़ता है, उसी अनुपात में आयात बढ़ जाता है। इसका सबसे ज्यादा लाभ चीन को मिला है। यानी कुल मिला कर आयात-निर्यात के कारोबार में चीन पर निर्भरता बनी हुई है। इसका उपाय देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन, व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है।

जगहंसाई से बचने के लिए नेता निकालें समाधिस्थल का समाधान

योगेंद्र योगी

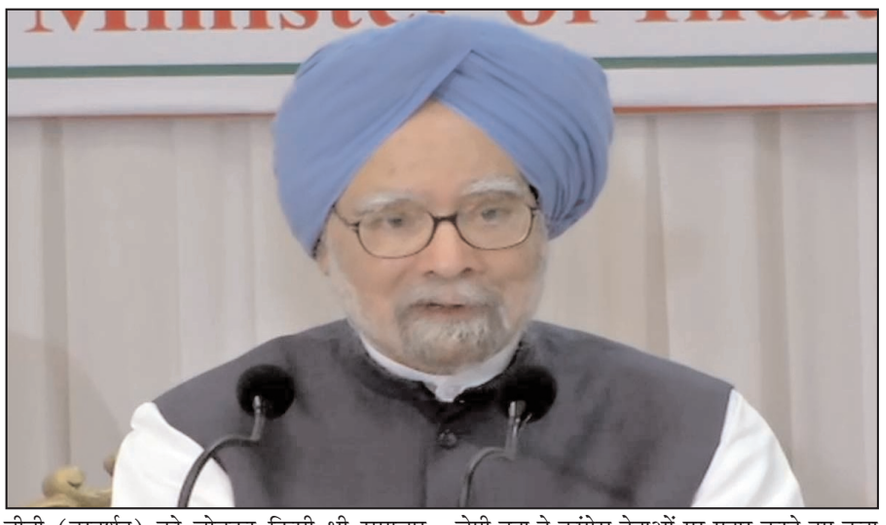

देश में नेताओं की फ्तिरत में शामिल हो चुका है किसी न किसी वजह से विवादों को जन्म देना। इसके लिए किसी का जन्म-मरण भी नहीं देखा जाता। विवादों के चलते राजनीति इतने निचले स्तर पर जा चुकी है कि दिवंगत विभूतियों को भी नहीं बख्शा जाता। इसमें नेताओं का अहम और राजनीतिक आड़े आ जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह भी इसी राजनीति का शिकार हो गए। सिंह की चिता की राख अभी ठंडी भी नहीं हुई है कि उनकी समाधी स्थल को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार और कांग्रेस तथा विपक्षी दल एक-दूसरे को नीचा दिखाने में लग गए। दिल्ली में सिंह के स्मारक के लिए जगह को लेकर कांग्रेस और सरकार के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

सिंह के स्मारक के मुद्दे पर पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि सरकार को देश के महान पुत्र और उनकी गौरवशाली कौम के प्रति आदर दिखाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भारत माता के महान सपूत और सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर वर्तमान सरकार द्वारा उनका सरासर अपमान किया है। राहुल गांधी के मुताबिक आज तक सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों की गरिमा का आदर करते हुए उनके अंतिम संस्कार अधिकृत समाधि स्थलों में किए गए ताकि हर व्यक्ति बिना किसी असुविधा के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि दे पाए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यथोचित स्थान उपलब्ध नहीं करा कर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री के पद की गरिमा, उनकी विरासत और खुद्दार सिख समुदाय के साथ न्याय नहीं किया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने दावा किया कि मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में असम्मान और कुप्रबंधन देखने को मिला। उन्होंने कहा कि डीडी (दूरदर्शन) को छोड़कर किसी भी समाचार एजेंसी को अनुमति नहीं दी गई। डीडी ने मोदी और शाह पर ध्यान केंद्रित किया। सिंह के परिवार को बमुश्किल ही कवर किया। उन्होंने दावा किया कि सिंह के परिवार के लिए केवल तीन कुर्सियां सामने की पंक्ति में रखी गईं। कांग्रेस नेताओं, सिंह की बेटियों और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के लिए सीट की व्यवस्था की खातिर जद्दोजहद करनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि इस महान राजनेता के साथ इस अपमानजनक व्यवहार से सरकार की प्राथमिकताओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उसकी असंवेदनशीलता उजागर होती है। खेड़ा ने दावा किया कि हैरानी की बात यह रही कि जब भूटान के नरेश खड़े हुए, तो प्रधानमंत्री मोदी खड़े नहीं हुए। अंतिम संस्कार की रस्में निभाने वाले पोतों को चिता तक पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ा तथा विदेशी राजनयिकों को कहीं और बैठाया गया और वे नजर नहीं आए। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा कैसे पीछे रह सकती थी। यह देखे बगैर की इस मुद्दे पर राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की भद्द पिटेगी, भाजपा पलटवार करने में पीछे नहीं रही। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे देश के पूर्व प्रधानमंत्री सम्मानीय मनमोहन सिंह जी के दुखद देहावसान पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं। कांग्रेस की इस घटिया सोच के लिए जितनी भी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनमोहन सिंह को जीते-जी कभी भी वास्तविक सम्मान नहीं दिया, लेकिन अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। इस विवाद में आम आदमी पार्टी भी कूद पड़ी। (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी इस विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किया गया। इसके पूर्व भारत के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। केजरीवाल ने सवाल किया कि सिख समाज से आने वाले और पूरी दुनिया में ख्यातिप्राप्त 10 वर्ष भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और समाधि के लिए भाजपा सरकार 1000 गज़ जमीन भी न दे सकी?

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया था कि सिंह का अंतिम संस्कार ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां उनका स्मारक भी बन सके। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा था कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान आवंटित करेगी। आश्चर्य यह है कि अतिविशिष्ट व्यक्तियों के स्मारक के बारे कायदे-कानून का फैसला मनमोहन सिंह की ही सरकार ने वर्ष 2013 में लिया था। इसके मुताबिक दिल्ली में वीवीआईपी के लिए अलग से कोई स्मारक नहीं होगा और राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्रियों जैसे दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के स्मारकों के लिए एक साझा परिसर बनाने का फैसला किया था। यूपीए सरकार ने राजघाट के पास अलग-अलग समाधियों के निर्माण पर रोक लगाने का फैसला लिया था। सिंह के समाधिस्थल को लेकर हायतौबा मचाने वाली कांग्रेस अपनी ही पार्टी के प्रधानमंत्री रहे नरसिम्हा राव की समाधि को लेकर किए गए बर्ताव को भूल गई। कांग्रेस की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार राव के स्मारक के लिए 10 साल तक जगह नहीं दी गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री राव के कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी से राजनीतिक रिश्ते कभी सौहाद्रपूर्ण नहीं रहे। यही वजह रही कि कांग्रेस उनकी समाधि को लेकर उपेक्षा करती रही। साल 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तब स्मारक बनाने का प्रस्ताव दिया गया। तत्कालीन केंद्रीय शहरी विकास मंत्री एम. वेंकैया नायडू ने इस पर तेजी से काम किया। ऐसा नहीं है कि अतिशिष्टि व्यक्तियों की समाधिस्थल को लेकर विवाद आगे नहीं होगा। केंद्र में सत्ता बदलने पर फिर ऐसी ही हास्यादपद हालात पैदा हो सकते हैं। बेहतर यही होगा कि ऐसे मुद्दों पर तुच्छ राजनीति से परे राजनीतिक दलों को मिल बैठ कर स्थायी हल ढूंढना चाहिए, ताकि दिवंगत की आत्मा को शांति मिले और ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर जगहसाई से बचा जा सके।

आधुनिकता के अनेक सार्थक पक्ष भी हैं जो समाज को बेहतर बनाते हैं

भारत डोगरा

आधुनिक समाज में अनेक स्तरों पर जटिलताएं बढ़ रही हैं। तकनीकी बदलाव तेजी से हो रहे हैं, और सामान्य जनजीवन पर उनका असर बड़े स्तर पर हो रहा है। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को ही लें तो इनका बहुत व्यापक असर हुआ है।

दैनिक जीवन को हमने कई स्तरों पर कम समय में ही बदल दिया है। इनमें कुछ असर अच्छे हो सकते हैं, और कुछ बुरे। इस पर बहस हो सकती है, पर एक अधिक व्यापक सच्चाई यह है कि तकनीकी बदलाव में इतनी अधिक तेजी हुई है कि हमें उसे संतुलित और सुलझे हुए रूप में अपनाने के अवसर नहीं मिलते हैं। हम अभी संभलने की क्षमता प्राप्त कर ही रहे होते हैं कि तब तक बहुत कुछ गड़बड़ा जाता है।

मुद्दा केवल तकनीकी बदलाव का ही नहीं है, बल्कि इससे आगे यह भी है कि इस बदलाव को विशेष दिशा में धकेलने के प्रयास साथ-साथ होते हैं। ये प्रयास प्रायः किसी भले उद्देश्य से नहीं जुड़े होते हैं अपितु शक्तिशाली और अति साधन-संपन्न तत्वों के अपना मुनाफा, नियंत्रण और आधिपत्य बढ़ाने की संकीर्ण सोच से जुड़े होते हैं। तकनीकी बदलावों के साथ ही लोगों की सोच को और कायरे को प्रभावित करने वाले पुराने स्रेतों का महत्त्व तेजी से कम होने लगता है, जबकि नये स्रेत हावी होने लगते हैं। इस स्थिति में समाज में नैतिकता की जो बहुत महत्त्वपूर्ण स्थिति और पहचान है, वह भी बहुत प्रभावित होती और बदलती है। क्या बुरा है और क्या गलत है, ऐसे बुनियादी सवाल और उनके जवाब नई तरह से प्रभावित होने लगते हैं। ऐसी कई प्रवृत्तियों, जिन्हें सामाजिक बुराई के रूप में मान्यता मिली हुई थी और ऐसी मान्यता मिलना तथ्य आधारित था, को अब बुराई माना ही नहीं जाता। गलत राह से रोकने के लिए जो सोच समाज में मौजूद थी, वही खिसकने लगती है।

इस तरह से एक ओर तो समाज में अनेक बुराइयां तेजी से फैल सकती हैं और इस कारण अनेक नये तनाव और समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इसके साथ-साथ समाज में कई मुद्दों पर अनिश्चय बढ़ने की स्थिति आ सकती है। अनिश्चय की इस स्थिति के एक ओर तो अपने तनाव हैं और दूसरी ओर इसमें अनुचित तत्वों को अपना असर बढ़ाने के अधिक अवसर मिलते हैं। अतः ऐसे दौर और समय में रेखांकित करना और जोर देकर कहना बहुत जरूरी हो जाता है कि सामाजिक नैतिकता के अनेक शात तथ्य ऐसे हैं जो सदा महत्त्वपूर्ण और प्रासंगिक थे, आज भी हैं और सदा प्रासंगिक रहेंगे। एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि अपनी भलाई को समाज की भलाई के साथ जोड़ कर ही आगे बढ़ा जाए। इसके लिए जरूरी है कि सभी की भलाई, समाज की भलाई के बारे में सही समझ बनाने का प्रयास किया जाए जो समता, न्याय, अमन-शांति और पर्यावरण रक्षा जैसे बहुत व्यापक मान्यता के प्रतिष्ठित सिद्धांतों पर आधारित हो। अपनी प्रगति के बारे में सोचना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है, पर सामाजिक नैतिकता की मांग है कि इस प्रगति की ऐसी राह अपनाई जाए जो सामाजिक भलाई से जुड़ी रहे और किसी भी तरह की सामाजिक क्षति से बचे। स्वयं की प्रगति के लिए, इस प्रगति में तेजी लाने के लिए अपनी क्षमताओं का भरपूर विकास करना उचित है, पर इसके लिए किसी और को क्षति पहुंचाना और समाज को क्षति पहुंचाना अनुचित है।

इस सोच का निष्कर्ष तो यही है कि मेहनत और सच्चाई की जिंदगी ही सबसे उचित जिदंगी है। यह एक शात सत्य है, सामाजिक नैतिकता का बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है, पर आज इस तरह की बातें बहुत कम सुनी जाती हैं, या कोई फिर भी कह दे, तो कई बार इसे महज उपदेश या ओल्ड फैशन सोच कहा जाता है। इससे यही सिद्ध होता है कि तेज बदलाव के आधुनिक युग में सामाजिक नैतिकता के महत्त्वपूर्ण पक्ष उपेक्षित और आहत ही रहे हैं, पर इससे सामाजिक नैतिकता के महत्त्वपूर्ण और शात पक्षों का महत्त्व कम नहीं होता है। हां, इतना जरूर है कि इन्हें रेखांकित करना, इनकी याद दिलाना पहले से अधिक जरूरी हो गया है।

इसी तरह सामाजिक संबंधों को बहुत ईमानदारी से निभाना सामाजिक नैतिकता का बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है। इन नजदीकी संबंधों को आपसी गहरे विास के आधार पर बनाए रखना, इस विास को कभी नहीं तोड़ना मानव-जीवन का एक बहुत महत्त्वपूर्ण पक्ष है। गहरे विास पर आधारित यह संबंध अपने आप में बहुत महत्त्वपूर्ण है और साथ में सच्चाई, मेहनत, ईमानदारी पर आधारित जीवन के लिए ऐसे प्रगाढ़ संबंधों से बहुत सहारा भी मिलता है। ऐसे जीवन में कठिनाइयां भी आती हैं और आज के आधुनिक दौर में कई तरह से यह संभावना अधिक बढ़ गई है। अतः सुख-दुख, उतार-चढ़ाव के बीच अपना संतुलन बनाए रखना भी जरूरी है। कठिनाई और दुख की स्थिति में अपने को संभाल पाना और इसके लिए अपने नैतिक जीवन के आधार से मजबूती प्राप्त करना आवश्यक है। दूसरी ओर अधिक सफलता मिल जाने पर अपने संतुलन को बनाए रखना, अपने नैतिक मार्ग पर दृढ़ रहना और हर तरह के अहंकार और सफलता के अनुचित दोहन से बचना आवश्यक है।

जिस तरह की सामाजिक नैतिकता की जरूरत समाज को सदा रही है और तेज बदलावों के आधुनिक दौर में विशेष तौर पर है, उसे प्रतिष्ठित करने के प्रयास आज बहुत जरूरी हैं पर फिर भी उपेक्षित हैं। दूसरी ओर, इस तरह के चालू प्रवृत्ति के प्रयत्न अधिक देखे जाते हैं जिनमें चालाकी से एक तरह से लोगों को भ्रमित कर किसी असरदार व्यक्ति के नेतृत्व में लाया जाता है और उनकी भावनाओं का दोहन किया जाता है। ऐसे प्रयासों के स्थान पर सही तरह की सामाजिक नैतिकता प्रतिष्ठित हो तो समाज की उचित और संतुलित प्रगति से बहुत मदद मिलेगी।

मौजूदा दौर में अनेक गंभीर समस्याओं के बढ़ने का एक व्यापक स्तर का कारण यह है कि इन समस्याओं पर नियंत्रण लगाने वाली जो नैतिकता आधारित मान्यताएं समाज में मौजूद थीं, उनका तेजी से ह्रास हुआ है। भ्रष्टाचार बढ़ने का एक मुख्य कारण यह है तो दूसरी ओर, अन्य संदर्भ में, तरह-तरह के बढ़ते नशे की प्रवृत्ति को समझने के लिए भी इस तरह के बदलाव को समझना पड़ेगा जो बहुत स्पष्ट चाहे नजर न आएं पर बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। महिलाओं के विरुद्ध विशेष तरह की हिंसा और अपराधों को भी इस व्यापक संदर्भ में समझना जरूरी है। इसका अर्थ यह कतई नहीं है कि आधुनिकता अपने आप में बुरी है। आधुनिकता के अनेक सार्थक पक्ष भी हैं जो समाज को बेहतर बनाते हैं, या बना सकते हैं। पर समाज में व्यापक स्तर पर समझ बनानी होगी कि आधुनिकता के नाम पर जो कुछ समाज में आ रहा है और तेजी से आ रहा है, उसमें क्या अनुचित है, और क्या उचित है ताकि इस समझ के आधार पर आधुनिकता को हम सुलझे हुए और संतुलित आधार पर अपना सकें।

गौरवमयी इतिहास और तिलचट्टे

पीए सिद्धार्थ

देश भर के तिलचट्टो! कसम है तुम्हें उस सड़े हुए खाने की, हर तरफ फैली हुई गंदगी, बिगड़ी हुई कानून व्यवस्था, अघोषित इमरजेंसी, अव्यवस्थित वातावरण या बिगड़े हुए साम्प्रदायिक माहौल की, सदियों से जिसके होने के बावजूद हम तुरत-फुरत अपनी आबादी बढ़ाने में माहिर रहे हैं। तुम्हें सौगन्ध है उन मृत और सड़े पदार्थों की, जिन्हें हम खाते हैं और शान से नाइट्रोजन को मिट्टी में वापस रिसाइकल करते हैं। लोग भले हमसे डरते रहें, हमें अपनी चप्पलों से मारें या हम पर काला या लाल हिट स्प्रे करें, पर यह एक निर्विवाद सत्य है कि तिलचट्टे, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। शायद इसी कारण भगवान ने हमें तब भी जिंदा रखा, जब लाखों साल पहले एक क्षुद्र ग्रह पृथ्वी से टकराया था और डायनासोर जैसा भीमकाय जीव भी अपना अस्तित्व खो बैठा था। लेकिन हम तब भी जिंदा रहे और हिरोशिमा तथा नागासाकी जैसे परमाणु बम के विस्फोट भी हमारा बाल न बांका कर सके। यही वजह है कि अल्लामा इकबाल जैसे अज़ीम शायर ने भी हमारी शान में अपने तराना-ए-हिन्दी में कहा है कि, 'यूनान ओ मिस्र ओ रूमा सब मिट गए जहां से, अब तक मगर है बाक़ी नाम-ओ-निशां हमारा। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-ज़मां हमारा।' हज़ारों साल गुलाम रहने के बाद भी कोई हमारी हस्ती को नहीं मिटा सका। हमारा इतिहास इतना गौरवशाली है कि हमें प्राचीन काल में सोने की चिडिया कहा जाता था। थे हम तब भी कंगले ही, लेकिन कहने में क्या जाता है। सदियों पहले हम घनानंद जैसे राजाओं के अति कर से परेशान थे, पर तब भी जिंदा रहे। आज भी जब कमला ताई का इनकम टैक्स और जीएसटी हमें निचोड़ रहा है, हम तब भी शान से जिंदा हैं। बिना किसी प्रतिरोध के। किसी भी युग में, किसी भी वातावरण से सामंजस्य बिठाने की हमारी इसी खूबी और कला ने हमें आदि काल से अब तक बनाए रखा है। हम अपने इस गौरवमयी इतिहास को कैसे भूल सकते हैं। हम सनातनी हैं। हम पृथ्वी की रचना के समय से ही दुनिया में निरंतर बने हुए हैं। हज़ारों साल की गुलामी भी हम में वह भाव या बोध नहीं जगा सकी, जिसे आत्मसम्मान कहा जाता है। राज चाहे हूणों का रहा या कुशानों का, तुर्कों का रहा या मुसलमानों का, मुग़लों का रहा या अंग्रेज़ों का, क्या मजाल कि हम हस्ती मिटी हो। मिट भी कैसे सकती है, हर हुकूमत को हमने कभी अपनी दीठ और पीठ सौंपने में देर नहीं लगाई। हमारे बिखरे हुए बोध को गांधी जैसे कितने ही युग पुरुषों ने जगाने की भरसक कोशिश की, लेकिन आज़ादी मिलते ही हमने गांधी को गोलियों से भूनने के बाद बाक़ी महापुरुषों को भुलाने में देर नहीं लगाई। आज अंग्रेज़ों से माफ़ी मांगने वाले और गांधी के हत्यारे हमारे आदर्श हैं। क्योंकि हमें पता है कि हमारे यही आदर्श हमें सदियों से जिंदा रखने में मदद करते आए हैं। मुट्ठी भर लोगों की सत्ता लोलुपता की वजह से देश समय-समय पर विदेशियों की दासता का शिकार रहा, लेकिन हमेशा अपने में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे हाड़तोड़ मेहनत करते रहे, हुकूमतों को टैक्स चुकाते रहे और दयनीय जीवन जीते रहे। हमेशा अपने अतीत में खोये रहने वाले हम तिलचट्टे भले दावा करते रहें कि हम सत्य के खोजी हैं, पर हम तो तथ्यों के पीछे भी नहीं जाते। उपनिषद् और श्रुतियों से कोई नाता न रखने वाले हम तिलचट्टे स्मृतियों और पुराणों में जीते हैं। हमारे जीते जी कोई हमें कोड़े मारे या हमारे पकौड़े तले, हम तो केवल गरुड़ पुराण के कहे अनुसार मरने के बाद कोड़े खाने या हमारे पकौड़े तले जाने से डरते हैं।

पति अनिश्चित काल तक पत्नी को गुजारा भत्ता देने के लिए बाध्य नहीं

रामस्वरूप रावतसरे

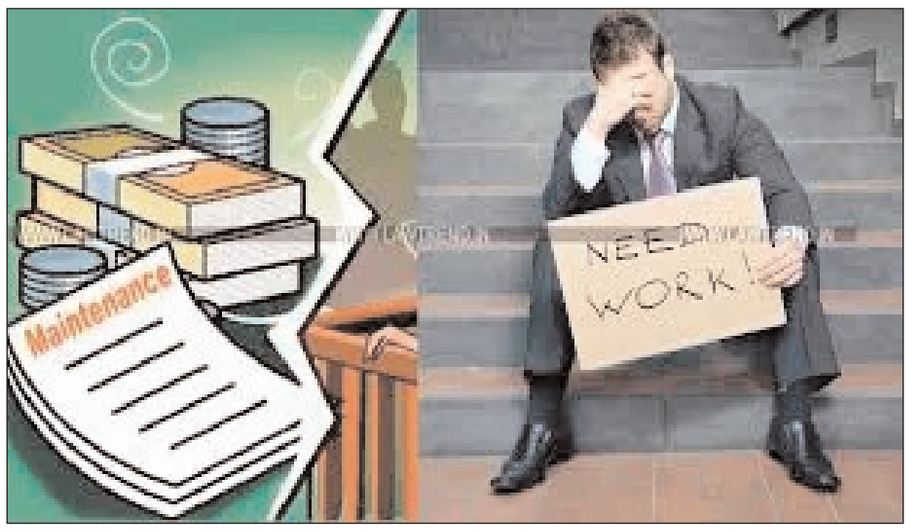

सुप्रीम कोर्ट ने 19 दिसंबर 2024 को भरण-पोषण और गुजारा भत्ता को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा है कि कुछ कानून महिला कल्याण के लिए बनाए गए हैं ना कि उनके पति एवं ससुराल के लोगों को दंडित करने के लिए। कोर्ट ने कहा कि इन कानूनों को पतियों के उत्पीड़न करने, धमकी देने या उनसे जबरन वसूली के साधन के रूप में प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए।

दरअसल, अदालत एक महिला की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें महिला अपने पति द्वारा शुरू किए गए तलाक के मामले को लॉजिस्टिक कारणों से भोपाल से पुणे स्थानांतरित करने की माँग की थी। इस जोड़े का विवाह साल 2021 में हुआ था। पति अमेरिका में आईटी कंसल्टेंट था। उसने अपनी पत्नी से तलाक की माँग की थी लेकिन पत्नी ने तलाक का विरोध किया था। पत्नी ने यह भी दावा किया था कि अलग हुए पति की कुल संपत्ति 5,000 करोड़ रुपए है। इसमें अमेरिका और भारत में कई व्यवसाय और संपत्तियाँ शामिल हैं। पत्नी ने यह बताया था कि उस के अलग रह रहे पति ने अपनी पहली पत्नी को उससे अलग होने के बाद वर्जीनिया स्थित घर को छोड़कर कम से कम 500 करोड़ रुपए का भुगतान किया था, इसलिए उसे भी दिलाया जाय।

शीर्ष न्यायालय ने कहा कि विवाह एक पवित्र प्रथा है जो कि परिवार की नींव है। ये कोई व्यवसायिक समझौता नहीं होता है। कोर्ट ने पाया कि वैवाहिक मामलों से संबंधित अधिकांश मामलों में दुष्कर्म, आपराधिक धमकी और विवाहित महिला से क्रूरता करने संबंधित कई आरोप लगाए जाते हैं। कोर्ट ने इस तरह की कठोर धाराएँ लगाने के लिए फटकार भी लगाई।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और पंकज मिथल की पीठ ने इस मामले में सख्त रूख अपनाया। पीठ ने कहा कि ऐसी माँगें अक्सर तभी की जाती हैं, जब जीवनसाथी आर्थिक रूप से संपन्न होता है। जब जीवनसाथी की आर्थिक स्थिति खराब हो जाती है या ऐसी माँग करने वाले व्यक्ति की तुलना में कमजोर हो जाती है तो ऐसी माँगें कम होती हैं। न्यायालय ने कहा, हमें पार्टियों द्वारा दूसरे पक्ष से संपत्ति के बराबरी के रूप में भरण-पोषण या गुजारा भत्ता मांगने की प्रवृत्ति पर गंभीर आपत्ति है। अक्सर देखा जाता है कि भरण-पोषण या गुजारा भत्ता के लिए अपने आवेदन में पार्टियाँ अपने जीवनसाथी की संपत्ति, स्थिति और आय को उजागर करती हैं और फिर एक ऐसी राशि माँगती हैं जो उनके जीवनसाथी की संपत्ति के बराबर हो।सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने आगे कहा, हालाँकि, इस प्रथा में एक असंगति है क्योंकि बराबरी की माँग केवल उन मामलों में की जाती है जहाँ जीवनसाथी के पास साधन हैं या वह खुद के लिए बहुत अच्छा कर रहा है। ऐसी माँगें उन मामलों में स्पष्ट रूप से अनुपस्थित होती हैं, जहाँ अलगाव के समय से जीवनसाथी की संपत्ति में कमी आई है। शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा कि गुजारा भत्ता पूर्व पति-पत्नी की वित्तीय स्थिति को समान बनाने के लिए नहीं है। यह आश्रित महिला को उचित जीवन स्तर प्रदान करने के लिए है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि पूर्व पति अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति के आधार पर पूर्व पत्नी को अनिश्चित काल तक सहायता देने के लिए बाध्य नहीं हो सकता। हिंदू विवाह एक पवित्र संस्था है, न कि एक 'व्यावसायिक उद्यम'।

पीठ ने कहा, महिलाओं को इस बात को लेकर सावधान रहने की जरूरत है कि उनके हाथों में कानून के ये सख्त प्रावधान उनकी भलाई के लिए हैं, न कि उनके पतियों को दंडित करने या उनसे जबरन वसूली करने का साधन हैं। हमें आश्चर्य है कि यदि पति के अलग होने के बाद कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के कारण वह कंगाल हो गया है तो क्या पत्नी उसके साथ संपत्ति के बराबर होने की माँग करेगी?

हालाँकि, कोर्ट ने अलग रह रहे पति को आदेश दिया कि वह अलग रह रही अपनी पत्नी को अंतिम एवं एकमुश्त स्थायी गुजारा भत्ता के रूप में 12 करोड़ रुपए दे। यह राशि एक महीने के भीतर देने के लिए कहा। इसके साथ ही पति को तलाक भी दे दी। सर्वोच्च न्यायालय ने अलग रह रहे पति के खिलाफ पत्नी द्वारा दायर आपराधिक मामले को भी रद्द कर दिया।

घूमने फिरने के शौकीन होते हैं L अक्षर वाले

जिन लोगों का नाम अंग्रेजी के एल अक्षर से शुरू होता है, वे अधिकतर भावुक तथा दार्शनिक प्रवृति के होते हैं।

- ये सोचने-विचारने वाले होते हैं।
- इन लोगों का प्रत्येक कदम साहस से भरा, परंतु नपा-तुला होता है।
- अपने कार्यों में श्रेष्ठ सिद्ध होते हैं।
- ये स्थिर प्रकृति के होते हैं, अपने हाल में मस्त, अपनी धुन के पक्के और अपने काम में लगे रहने वाले लोग हैं ये।
- आपको न तो पीछे घूमकर देखने की फिक्र होती है, न आदत।
- साधाराण पद या काम आपको पसंद नहीं, आपको उच्च पद और गरिमापूर्ण कार्य पसंद हैं। योजनाबद्ध रूप से काम करने के कारण आपको उच्च पद की प्राप्ति होती है।
- आपको सोसाइटी से बहुत प्यार तथा सम्मान प्राप्त होता है।
- मुश्किल के समय में आपकी अंतरात्मा की आवाज़ आपकी मदद करती है।
- लोगों के दिल की बात जानने में भी यह आवाज आपकी मदद करती है।

शयन कक्ष में दर्पण

आई ना जिसमें हम चेहरा देखते हैं, उसमें से एक प्रकार की ऊर्जा बाहर निकलती है। आपके घर में जिस दिशा में आईना लगा हुआ होता है, उसी के अनुसार सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

शयनकक्ष में दर्पण लगाना वर्जित है। पलंग के सामने आईना नहीं लगाएं, क्योंकि इससे पति-पत्नी के संबंधों में तनाव हो सकता हैं या पत्नी के स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है। आईना के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए उन्हें ढक कर या अलमारी के अंदर की ओर लगाएं। पलंग पर सो रहे पति-पत्नी को प्रतिबिंबित करता हुआ आईना अशुभता का कारण बन सकता है।

फेंगशुई प्रोडक्ट

ओम मणि हैंगिंग

यह बेलनाकार हैंगिंग लाल जैस्पर क्रिस्टल से बनी है। इसके ऊपर ओम मणि पद्म हम मंत्र गुदा हुआ है। इसे आसानी से लटकाने और सुंदर दिखाने के लिए हैंगिंग का आकार दिया गया है। ओम मणि पद्म हम बौद्ध धर्म का सबसे ज्यादा प्रभावी मंत्र कहा जाता है। दलाई लामा को अवलोकितेश्वरा का दूसरा अवतार माना जाता है, इसलिए उनके अनुयायी इसे सबसे ज्यादा ग्रहण करते हैं। इसे लिखकर या पत्थर पर उकेरकर प्रेयर व्हील्स के साथ लगा दिया जाता है, जिससे यह कहीं ज्यादा असरदार साबित हो। यह मंत्र कहना जितना आसान है, उतना ही यह प्रभावी भी है, क्योंकि इसमें बौद्ध धर्म की पूरी शिक्षा का निचोड़ है। इसका उच्चारण ओम, म, णि, पा, मे, हम कहते हुए व्यक्ति पूरी प्रवीणता से ध्यान केंद्रित करता है। जब बात लाल रंग के जैस्पर की हो, तो यह बेहद ही शक्तिशाली क्रिस्टल है जो दिमाग और नर्व्ज को ठंडा व सुकून में रखता है। इससे तनाव कम होता है और शांति आती है। अगर जरूरत हो तो यह आराम मिलने और घाव भरने की शक्ति को भी बेहतर बनाता है। यह क्रियाएं बढ़ाने, जल्द सोच पाने, आध्यात्मिक दृढ़ता, सोचने की शक्ति बढ़ाने और हिम्मत बढ़ाने के काम भी आता है। इसके दूसरे फायदे यह हैं कि इससे लोग दूसरों की मदद करने, ईमानदारी बरतने व शरीर को ऊर्जा देने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

प्रत्येक देवता को एक विशेष खाद्य वस्तु पसंद है। यदि उन्हें उनकी प्रिय वस्तु अर्पित की जाए, तो वे शीघ्र इच्छा की पूर्ति करते हैं। किस देवता को कौन-सी वस्तु और किस तरह अर्पित की जाए, पढ़ें...

किस देवता को क्या पसंद?

आदि काल से ही मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए तथा अपने उत्थान के लिए देवी-देवताओं की पूजा- अर्चना करता आया है। पूजा की सामग्री के साथसाथ महत्व है ऐसी खाद्य सामग्री का, जो किसी देवी-देवता की मनपसंद भोज्य सामग्री हो। शास्त्रों का कथन है कि देवी-देवताओं को उनकी मनपसंद खाद्य सामग्री अर्पित की जाए, तो वह प्रसन्न होकर शीघ्र ही साधक और भक्त की इच्छाओं की पूर्ति करते हैं।

जिस भक्त की जैसी इच्छा होती है, उसके मुताबिक भी देवता को सामग्री अर्पण की जाती है। शास्त्रों का यह भी कथन है कि किसी भी देवता को उससे संबंधित ग्रह के अनुरूप ही खाद्य सामग्री भेंट की जानी चाहिए। इससे विपरीत या उस देवता के शत्रु ग्रह से संबंधित सामग्री अर्पित करना ठीक नहीं माना जाता। विधिपूर्वक सामग्री अर्पित करने से सभी कार्यों की सिद्धि शीघ्र होती है। ये सामग्री भौतिक रूप से भी अर्पित की जाती है और मनस रूप से भी। शास्त्रों में हर देवी और देवताओं की प्रिय खाद्य सामग्री का विस्तार से वर्णन मिलता है। ये सामग्री किस विधि से उन्हें अर्पित की जानी चाहिए, इसका वर्णन भी मिलता है। ऐसी ही कुछ खाद्य सामग्रियां इन देवताओं की पसंद हैं-

श्री गणेश जी

इन्हें हरा रंग पसंद है। दूर्गा चढ़ाकर हाथ जोड़कर आप यदि मोढक का (यानी लड्डू) का भोग बुधवार के दिन इन्हें अर्पित करें, तो आपकी मनोकामनाओं की पूर्ति के सभी द्वार गणेश जी स्वयं खोलते हैं।

लक्ष्मी मां

अर्थ की पूर्ति, धन संपदा की प्राप्ति के लिए पूज्य मां लक्ष्मी जी की अराधना सर्वफलदायी है। इनके लिए संध्या का समय निहित किया गया है। अत: संध्या के समय कोई भी सफेद मिष्ठान इन्हें अति पसंद हैं- खीर व मिश्री को अर्पित कर आप लक्ष्मी मां को अति-शीघ्र प्रसन्न कर सकते हैं। सफेद बताशे भी इनका प्रिय भोजन है।

श्रीकृष्ण जी

हमारे ग्रंथों में श्रीकृष्ण जी को संपूर्ण कला युक्त बताया गया है। यशोदा मां द्वारा खिलाया मक्खन तथा मिश्री का योग आज भी वृंदावन में बड़े चाव के साथ ठाकुर जी को अर्पित किया जाता है। साथ ही ठाकुर जी को 56 भोग की भी परंपरा है। इसमें तुलसी दल को प्रधानता दी गई है। तुलसी दल की अनुपस्थिती में 56 भोग भी कृष्ण जी स्वीकार नहीं करते।

श्रीहनुमान जी

गुड़ तथा चने के प्रेमी माने जाते हैं। गुड़ तथा रोटी के आटे का चूरमा इन्हें विशेष रूप से पसंद है। मंगलवार को ऐसे प्रसाद की विशेष व्यवस्था की जाती है। वैसे लड्डू भी (बूंदी के) इन्हें चढ़ाए जाते हैं।

विष्णु जी

इनके पसंदीदा खाद्य पदार्थों में पीले रंग के खाद्य पदार्थों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कड़ी-चावल तथा केला इन्हें विशेष प्रिय है। केला खिलाकर तथा कड़ी (बिना प्याज के) का इन्हें भोग लगाकर आप लक्ष्मी पति को अपने वश में कर सकते हैं और जहां विष्णु जी प्रसन्न हों वहां लक्ष्मी मां भी प्रसन्न रहती हैं।

दुर्गा मां

मां दुर्गा शक्ति की एक मिसाल हैं। मां के रूप में इनकी वंदना तथा पूजा सर्वशक्तिमय मां से शक्ति की प्राप्ति का एक सरल उपाय है। मां को नारियल, मेवे तथा मखानों का विशेष भोग लगाया जाता है। सूखे छुआरे भी मां को पसंद हैं। अपनी कंजकों के लिए मां हल्वा-पूरी, तथा चने के भोजन की अपेक्षा करती हैं।

श्रीराम जी

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम माने जाते हैं। मर्यादा में रहकर राम राज्य की कल्पना ही मन को आनंदित करती है। रामजी को आप कुछ भी खाद्य पदार्थ बड़े प्रेम से खिलाएं, तो वह उसे स्वीकार करते हैं। रामायण में आया भी है कि शबरी के जूठे बेर भी रामजी ने प्रेम-पूर्वक स्वीकार किए हैं तथा उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण की हैं।

शिव जी

इनकी पूजा-अर्चना को सबसे सरल बताया गया है। यह थोड़े में ही ख़ुश होने की प्रवृति रखते हैं। भोग-धतूरा बेल-पत्र इन्हें प्रिय है। दूध का भोग, जिसमें कुछ मीठा हो यानि ख़ीर और खांड का भोग इन्हें विशेष पसंद है। सभी खाद्य-पदार्थ इस सृष्टि में स्वयं उसी सर्वशक्तिमान की ही देन है। मनुष्य द्वारा निर्मित कुछ भी नहीं है। फिर भी षोडोपचार पूजा विधि में उन्हीं के द्वारा बनाई गई चीज़ें, उन्हीं (भगवान को) को पुन: सप्रेम अर्पित करने का विशेष महत्व है। भौतिक युग में समय की कमी के कारण यह सभी पदार्थ आप मानसिक रूप से भी अपने इष्ट देवी-देवताओं अर्पित करके, संपूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति की याचना कर सकते हैं।

अशुभ नहीं है तीन

अपने रोज़मर्रा के कामों में लोग अंक तीन को अशुभ मानते हैं। परंतु गहराई से विवेचन किया जाए, तो अपने गुणों के कारण अंक तीन कई शुभफल प्रदान करने वाला भी साबित होता है...

भारतीय दर्शन एवं आध्यात्म तथा सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार अंक भी शुभ और अशुभ माने जाते हैं। सामान्यतया सम अंक शुभ और और विषम अंक अशुभ माने जाते हैं। जहां तक अशुभ अंको का प्रश्न है, तो सबसे ज़्यादा अशुभ अंक माना जाता है 'तीन'। इसीलिए किसी भी शुभ कार्य में 'तीन' से बचा जाता है। उदाहरण के तौर पर शुभ कार्य करने के लिए जाते समय एक साथ तीन लोग नहीं जाते। भोजन खिलाते समय एक साथ तीन रोटियां, पूरियां थाली में रखना अशुभ माना जाता है आदि।

वैसे तो तेरह का अंक भी अशुभ स्वीकारा जाता है। पर तीन के अंक की अशुभता तो सर्वस्वीकार्य है। इसीलिए सभी तीन से बचने की कोशिश करते हैं। कहने का आशय यह है कि तीन के अंक को व्यापकता और सुनिश्चितता के साथ अशुभ, अमंगलकारी और अहितकारी माना जाता है। परंतु यथार्थ यह है कि तीन का अंक हर्गिज़ अशुभ नहीं है। ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए क्योंकि तीन के अंक को अशुभ न मानने एव हानिकारक न स्वीकारने के मूल में अनेक कारण एवं तर्क विद्यमान हैं।

पहला तर्क यह है कि इसे संपूर्ण सृष्टि के संचालक ब्रह्मा, विष्णु और महेश अर्थात् तीन देव ही हैं। इस प्रकार संपूर्ण संसार का संचालन जब तीन शक्तियों के हाथ में है, तब ऐसी स्थिति में तीन का अंक अशुभ कैसे हो सकता है? इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा, ये तीन देवी शक्तियां ही क्रमश: धन, विद्या व शारीरिक बल की स्वामिनी हैं। इन्हीं तीन देवियों से सामथ्यों की रचना हुई है। अत: जब तीन देवियों का इतना महत्व है, तो फिर तीन का अंक अशुभ एवं अमंगल का सूचक कैसे हो गया?

इसी प्रकार शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनका त्रिशूल भी तीन लोक वाला होता है। ॐ शब्द भी तीन अक्षरों के मेल से बना है। राम, लक्ष्मण सीता भी तीन ही थे, जबकि उनका वनगमन धर्म, सत्य, न्याय, मर्यादा, मानवता सभी के लिए कल्याणकारी सिद्ध हुआ था। ग्रहों की कुल संख्या नौ होती है। नक्षत्रों की संख्या 27 अर्थात् नौ गुणा तीन होती है। मौसम भी तीन होते हैं सर्दी, गर्मी, वर्षा और इन सबकी क्या और कितनी महत्ता है, यह किसी से छिपा नहीं है। ब्रह्मांड के तीन प्रमुख अवयवों सूर्य, चंद्रमा और तारे भी तीन वर्गों में पार्थिव देवता, अंतरिक्ष के देवता एवं आकाश के देवता में विभाजित किया जाता है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि तीन का अंक किसी भी प्रकार से अशुभ एवं अमंगल का सूचक नहीं है, बल्कि यह अधिकांश अंकों में शुभ एवं मंगल का सूचक प्रतीत होता है।

कैसे निकालें स्थानीय समय

जन्म कुंडली बनाने के लिए जन्मतिथि, समय एवं स्थान की आवश्यकता होती है। हमें जो समय ज्ञात है वह स्टैंडर्ड टाइम है जबकि हमें उस निश्चित स्थान के (जहां जन्म हुआ है) स्थानीय समय की आवश्यकता रहती है। ऐसी स्थिति में पहले हमें समय का परिवर्तन (शुद्ध) करना होगा। इसके लिए वेलांतर संस्कार एवं देशांतर संस्कार करने की आवश्यकता होती है। वेलांतर संस्कार हेतु वेलांतर सारिणी पंचांग तथा ज्योतिष के विभिन्न ग्रंथों में उपलब्ध हैं। उसमें निश्चित अंग्रेजी माह की तारीख एवं माह को देखकर निर्धारित मिनट-सेकंड स्टैंडर्ड टाइम में से कम या जोड़ देंगे (जैसा कि सारिणी में + या - हो)। वेलांतर संस्कार करने के पश्चात देशांतर संस्कार करना होता है। भारतीय मानक समय (स्टैंडर्ड टाइम) 82.30 डिग्री रेखांश/देशांश/तुलांश का है। इसी आधार पर पूरे देश की घड़ियां चलती है। जबकि प्रत्येक शहर का स्थानीय समय भिन्न होता है। ज्योतिषी को चाहिए कि वे जिस शहर में बालक जन्मा है उस शहर या उसके नजदीकी शहर का देशांतर ज्ञात कर लें। प्राप्त देशांतर का स्टैंडर्ड देशांतर 82.30 डिग्री से अंतर निकाल लें। प्राप्त अंतर को 4 से गुणा

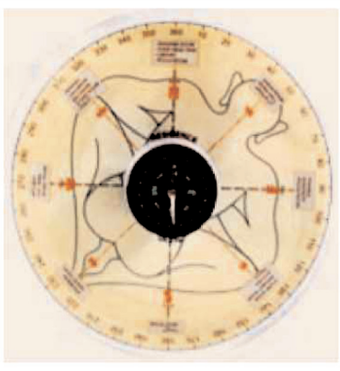

कर लें। प्राप्त फल को अभीष्ट समय से घटाएं/जोड़ें (यदि नियत स्थान का देशांतर 82.30 डिग्री से अधिक है तो जोड़ें, किंतु 82.30 डिग्री से कम है तो घटाएं) उदाहरण के रूप में दिनांक 1 जनवरी 2009 को प्रात: 9.40 पर बालक का जन्म उज्जैन में हुआ। वेलांतर सारिणी के अनुसार 1 जनवरी का वेलांतर -4 मिनट है। अत: वेलांतर संस्कार करने से जन्म 9.36 (9.40 - 0.4 = 9.36) हुआ। उज्जैन का देशांतर 75.50 है। इसे भारतवर्ष के स्टैंडर्ड मापक देशांतर 82.30 से कम किया (82.30 - 75.50 = 6.40) तो - 6.40 अंतर आया इसे 4 से गुणा करने पर 26 मिनट एवं 40 सेकंड आया। इसे 9.36 में से कम किया गया क्योंकि उज्जैन का देशांतर भारतवर्ष के देशांतर 82.30 से कम है। 9.36 - में से 26 मिनट 40 सेकंड कम करने से स्थानीय समय 9 बजकर 09 मिनट एवं 20 सेकंड आया। यही बालक (जातक) का शुद्ध स्थानीय समय है।

जन्म पत्रिका में शिक्षा के योग

आज जीवन के हर मोड़ पर आम आदमी स्वयं को खोया हुआ महसूस करता है। विशेष रूप से वह विद्यार्थी जिसने दसवीं या बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उसके सामने सबसे बड़ा संकट यह रहता है कि वह कौन से विषय का चयन करे जो उसके लिए लाभदायक हो। एक अनुभवी ज्योतिषी आपकी अच्छी मदद कर सकता है। जन्मपत्रिका में पंचम भाव से शिक्षा तथा नवम भाव से उच्च शिक्षा तथा भाग्य के बारे में विचार किया जाता है। सबसे पहले जातक की कुंडली में पंचम भाव तथा उसका स्वामी कौन है तथा पंचम भाव पर किन किन ग्रहों की दृष्टि है, ये ग्रह शुभ-अशुभ है अथवा मित्र-शत्रु, अधिमित्र हैं विचार करना चाहिए। दूसरी बात नवम भाव एवं उसका स्वामी, नवम भाव स्थित ग्रह, नवम भाव पर ग्रह दृष्टि आदि शुभाशुभ का जानना। तीसरी बात जातक का सुदर्शन चंद्र स्थित श्रेष्ठ लग्न के दशम भाव का स्वामी नवांश कुंडली में किस राशि में किन परिस्थितियों में स्थित है ज्ञात करना, तीसरी स्थिति से जातक की आय एवं आय के स्त्रोत का ज्ञान होगा।

जन्मकुंडली में जो सर्वाधिक प्रभावी ग्रह होता है सामान्यत: व्यक्ति उसी ग्रह से संबंधित कार्य-व्यवसाय करता है। यदि हमें कार्य व्यवसाय के बारे में जानकारी मिल जाती है तो शिक्षा भी उसी से संबंधित होगी। जैसे यदि जन्म कुंडली में गुरु सर्वाधिक प्रभावी है तो जातक को चिकित्सा, लेखन, शिक्षा, खाद्य पदार्थ के द्वारा आय होगी। यदि जातक को चिकित्सक योग है तो जातक जीव विज्ञान

जन्मकुंडली में जो सर्वाधिक प्रभावी ग्रह होता है सामान्यत: व्यक्ति उसी ग्रह से संबंधित कार्य-व्यवसाय करता है।

विषय लेकर चिकित्सक बनेगा। यदि पत्रिका में गुरु कमजोर है तो जातक आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, रैकी या इनके समकक्ष ज्ञान प्राप्त करेगा। श्रेष्ठ गुरु होने पर एमबीबीएस की पढ़ाई करेगा। यदि गुरु के साथ मंगल का श्रेष्ठ योग बन रहा है तो शल्य चिकित्सक, यदि सूर्य से योग बन रहा है तो नेत्र चिकित्सा या सोनोग्राफी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से संबंधित विषय की शिक्षा, यदि शुक्र है तो महिला रोग विशेषज्ञ, बुध है तो मनोरोग तथा राहु है तो हड्डी रोग विशेषज्ञ बनेगा।

चंद्र की श्रेष्ठ स्थिति में किसी विषय पर गहन अध्ययन करेगा। लेखक, कवि, श्रेष्ठ विचारक बनेगा तथा बीए, एमए कर श्रेष्ठ चिंतनशील, योजनाकार होगा। सूर्य के प्रबल होने पर इलेक्ट्रॉनिक से संबंधित शिक्षा ग्रहण करेगा। यदि मंगल अनुकूल है तो ऐसा जातक कला, भूमि, भवन, निर्माण, खदान, केमिकल आदि से संबंधित विषय शिक्षा ग्रहण करेगा। बुध प्रधान कुंडली वाले जातक बैंक, बीमा, कमीशन, वित्तीय संस्थान, वाणी से संबंधित कार्य, ज्योतिष-वैद्य, शिक्षक, वकील, सलाहकार, चार्टड अकाउंटेंट, इंजीनियर, लेखपाल आदि का कार्य करते हैं। अत: ऐसे जातक को साइंस, मैथ्स की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए किंतु यदि बुध कमजोर हो तो वाणिज्य विषय लेना चाहिए। बुध की श्रेष्ठ स्थिति में चार्टड अकाउंटेंट की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। शुक्र की अनुकूलता से जातक साइंस की शिक्षा ग्रहण करेगा। शुक्र की अधिक अनुकूलता होने से जातक फैशन, सुगंधित व्यवसाय, श्रेष्ठ कलाकार तथा रत्नों से संबंधित विषय को चुनता है। शनि ग्रह प्रबंध, लौह तत्व, तेल, मशीनरी आदि विषय का कारक है। अत: ऐसे जातकों की शिक्षा में व्यवधान के साथ पूर्ण होती है। शनि के साथ बुध होने पर जातक एमबीए फाइनेंस में करेगा। यदि शनि के साथ मंगल भी कारक है तो सेना-पुलिस अथवा शौर्य से संबंधित विभाग में अधिकारी बनेगा। राहु की प्रधानता कुटिल ज्ञान को दर्शाती है। केतु-तेजी मंदी तथा अचानक आय देने वाले कार्य शेयर, तेजी मंदी के बाजार, सट्टा, प्रतियोगी क्वीज, लॉटरी आदि।

कभी-कभी एक ही ग्रह विभिन्न विषयों के सूचक होते हैं तो ऐसी स्थिति में जातक एवं ज्योतिषी दोनों ही अनिर्णय की स्थिति में आ जाते हैं। उसका सही अनुमान लगाना ज्योतिषी का कार्य है। ऐसी स्थिति में देश, काल एवं पात्र को देखकर निर्णय लेना उचित रहेगा। जैसे नवांश में बुध का स्वराशि होना ज्योतिष, वैद्य, वकील, सलाहकार का सूचक है। अब यहां जातक के पिता का व्यवसाय (स्वयं की रुचि) जिस विषय की होगी, वह उसी विषय का अध्ययन कर धनार्जन करेगा।

शत्रु-मित्र-अंक

किसी भी महीने की 1, 10, 19 व 28 तारीख को जन्म लेने वालों का मूलांक एक होता है। इस मूलांक वालों का स्वामी ग्रह सूर्य है। मूलांक एक वाले व्यक्तियों की मित्रता 2 एवं 7 अंक वालों से अधिक होती है क्योंकि यह मित्र अतिमित्र अंक हैं। 5, 3, 9 एवं 4 अंक वाले इनके साथ समभाव रखते हैं। मूलांक एक वालों की मित्रता 6 एवं 8 अंक वालों से नहीं हो पाती, क्योंकि इनके लिए यह शत्रु एवं अतिशत्रु अंक हैं।

निपनिया मे खुलेगा पुलिस थाना ,विधायक इंद्र साव ने पूर्व सी एम के प्रति जताया आभार

भाटापारा (समय दर्शन)। भाटापारा ग्रामीण थाना अंतर्गत आने वाला निपनिया पुलिस सहायता केंद्र अब शीघ्र ही स्वतंत्र रूप से पृथक पुलिस थाना बनने जा रहा है।इस थाना की घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्राम

कडार में आयोजित भेट मुलाकात कार्यक्रम में की थी। विधायक इंद्र साव ने निपनिया पुलिस थाना खुलने की प्रक्रिया के आगे बढ़ने पर क्षेत्र की जनता को बधाई देते हुए पूर्व सी एम बघेल के प्रति आभार जताया है।

विदित हो कि ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत आने वाला निपनिया क्षेत्र के लोगों को त्वरित न्याय ,पुलिस सुरक्षा और अपराधियों में भय की दृष्टि से पृथक रूप से पुलिस थाना खोलने की मांग विधायक इंद्र साव सहित स्थानीय कांग्रेस जनों ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से ग्राम कडार में आयोजित भेट मुलाकात कार्यक्रम में की थी।क्षेत्र के नेताओं की मांग और निपनिया के लोगों की व्यावहारिक दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निपनिया में पुलिस थाना खोले जाने की घोषणा की थी। पूर्व सी एम बघेल की घोषणा से उपस्थित लोगों ने हर्ष जताया था।वही पूर्व सी एम की घोषणा के बाद से विभाग ने अपनी तैयारी तेज कर सभी आवश्यक कार्यवाही पूरी कर ली।अभी वर्तमान में निपनिया पुलिस सहायता केंद्र में लगभग 22 गांव कोड़वा,सेंम्हाराडीह,कोनी बंजर,बागबुड़वा, गुड़ाघाट,खपरी एस, भौतिडीह, सिलवा, पथरिया, चंदेली, धनेली, चमारगुड़ा, मोपकी, भरतपुर, धौराभाता, बकुलही, मोपका, गुड़ैलिया, पाटन, बोरासी ध, बंदरी इत्यादि गांव को समाहित किया गया है।अनुमान है कि पुलिस थाना खुलने के बाद इसमें करीब 10 बारह गांव को और समाहित किया जा सकता है। बहरहाल विभागीय स्वीकृति और पुलिस थाना खुलने की प्रकिया में तेजी आने पर निपनिया क्षेत्र के लोगों में अपार हर्ष है।विधायक इंद्र साव ने इस उपलब्धि के लिए लोगो को बधाई देते हुए पूर्व सी एम बघेल के प्रति आभार जताया है।

संक्षिप्त समाचार

मनरेगा से बना पशु शेड देवीराम के जीवन में आई खुशहाली

जांजगीर-चांपा/ देवीराम, जो पहले अपने परिवार के लिए स्थायी आय के अभाव में संघर्ष कर रहे थे, ने मनरेगा के तहत अपने लिए एक पशु शेड बनवाने का अवसर मिला। उनके पास कुछ पशु तो थे, लेकिन शेड न होने के कारण उन्हें देखभाल में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मनरेगा योजना के माध्यम से देवीराम ने न केवल पशु शेड बनवाया, बल्कि इससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों के लिए आजीविका और सशक्तिकरण के नए अवसर खोले हैं। इसी के तहत एक छोटे से गाँव में रहने वाले देवीराम की कहानी प्रेरणा का स्त्रोत बन गई है। जांजगीर-चांपासमय दर्शन // जिले के नवागढ़ विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कनई में के देवीराम जो पहले मजदूरी कर अपने परिवार का पेट पालते थे, अक्सर स्थायी आय की कमी से परेशान रहते थे। उनके पास गाय तो थीं, लेकिन पशु शेड न होने के कारण पशुओं की देखभाल में समस्या होती थी। ऐसे में उन्हें महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से बनाए जाने वाले पशु शेड निर्माण की जानकारी रोजगार सहायक के माध्यम से मिलती है। देवीराम ने इस संबंध में तकनीकी सहायक से भी आवश्यक जानकारी ली। फिर तकनीकी सहायक ने प्रस्ताव को ग्राम सभा से पास कराकर उसे जनपद पंचायत के माध्यम से जिला पंचायत भेजा गया। जहां से 95 हजार 600 रूपए की राशि प्रशासकीय स्वीकृति के रूप में प्राप्त हुई। इसके बाद पशु आश्रय का निर्माण शुरू हुआ। महात्मा गांधी नरेगा के श्रमिकों ने काम किया और उनका सपनों का पशु शेड बनकर तैयार हो गया। पशु शेड बनने के बाद, देवीराम के पशु बेहतर स्वास्थ्य में रहने लगे। इससे दूध का उत्पादन बढ़ा, जो उनकी आय का मुख्य स्त्रोत बन गया। अब देवीराम दूध बेचकर अपने परिवार की जरूरतें पूरी कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने गायों की संख्या बढ़ाकर दूध उत्पादन में और सुधार किया। पशु शेड बनने के बाद, देवीराम ने दूसरों को भी प्रेरित किया। गाँव के अन्य किसान भी मनरेगा योजना का लाभ उठाकर अपनी आजीविका में सुधार कर रहे हैं। मनरेगा ने देवीराम जैसे कई ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। यह योजना न केवल रोजगार उपलब्ध कराती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास में भी योगदान देती है। देवीराम बताते हैं कि शासकीय योजना और मेहनत के माध्यम से गरीबी को हराया जा सकता है। यह न केवल उनके लिए, बल्कि उनके जैसे कई लोगों के लिए उम्मीद की किरण है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए चलाई जा रही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) ने गरीब परिवारों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। देवीराम ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, पशु शेड बनने से हमारे जीवन में बड़ा बदलाव आया है। पहले हमें बहुत दिक्कत होती थी, लेकिन अब हमारे पशु स्वस्थ हैं और उनकी उत्पादकता बढ़ गई है। इससे हमारे परिवार को स्थायी आय का जरिया मिल गया है।

ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के जरिए 650 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

रायपुर। ए-वन स्टील्स इंडिया लिमिटेड, जो कच्चे इस्पात की क्षमता के मामले में दक्षिण भारत में शीर्ष 5 (पांच इस्पात उत्पादकों में से एक है, और 10 इस्पात उत्पादों और औद्योगिक उत्पादों का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। (स्त्रोत: क्रिसिल रिपोर्ट) ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (10 प्रत्येक अंकित मूल्य) के माध्यम से 65,000 लाख [650 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों की पेशकश के माध्यम से धन जुटाने की योजना बनाई है। (कुल पेशकश आकार)

कुल प्रस्ताव आकार में ?60,000 लाख [?600 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम ('ताजा निर्गम') और विक्रय शेयरधारकों द्वारा कुल 5000 लाख [?50 करोड़] तक का बिक्री हेतु प्रस्ताव ('बिक्री हेतु प्रस्ताव') शामिल है।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। (लिस्टिंग विवरण)

मंदिर में बच्चों को अपने हाथों विधायक इंद्र साव ने बांटा खीर पूड़ी

माता शीतला से पूरे क्षेत्र में अमन चैन शांति के लिए मांगा आशीर्वाद

भाटापारा (समय दर्शन)। अंग्रेजी नववर्ष के शुभारंभ अवसर पर नगर के हथनीपारा वार्ड स्थित शीतला माता मंदिर में कन्या भोजन का आयोजन किया गया जिसमें इस पवित्र आयोजन में शामिल हुए सैकड़ों बच्चों को विधायक इंद्र साव ने अपने हाथों खीर पूड़ी परोस कर बच्चों के साथ नए साल की खुशियां मनाई।

इस अवसर पर विधायक इंद्र साव ने कहा कि इस वार्ड में यह प्रेरणादायक आयोजन विगत 30 वर्षों से निरंतर जारी है और मुझे खुशी है कि इस आयोजन में सेवा करने का अवसर प्रतिवर्ष मिलते रहता है जिसके लिए मै अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हु।यह आयोजन हमारी परंपरा और संस्कृति का प्रतीक बनकर चला आ रहा है जो समाज में सेवा, संस्कार और एकजुटता का सन्देश देता है। ऐसे आयोजन के आयोजनकर्ता निश्चित रूप से बधाई के पात्र है जो लगातार ऐसे आयोजन कर उसमें बच्चों को शामिल करते है।

आज नए साल की खुशी में लोग पश्चात शैली को अपनाकर अपना धर्म संस्कृति से विमुख होते जा रहे है जो निश्चित रूप से चिंता का विषय है,इस प्रकार का आयोजन आज की जरूरत है जहां बच्चों संग अपनी खुशियों का इजहार आज की जरूरत बन गया है। इस अवसर पर विधायक इंद्र साव ने अपनी सेवा देते हुए बच्चों को प्रसादी की परोस गारी की तथा नए वर्ष की शुभकामना देते हुए उनके संग खुशियां मनाई।

नगर के शीतला मंदिर में हुए इस कार्यक्रम में विधायक इंद्र साव ने माता शीतला को नमन कर शीश झुकाते हुए पूरे क्षेत्र वासियों पर अपनी कृपा बनाए रखने का आशीर्वाद लिया।

कर्मचारी घर-घर जाकर बना रहें है बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड,98 वर्ष बुजुर्ग का बनाया आयुष्मान कार्ड

सरकार की योजना का लाभ हर जरूरतमंद को मिलें:कमिश्नर

दुर्ग। नगर पालिक निगम। शहर में घर घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पात्र जरूरतमदों तक पहुंचाना है। नगर निगम कमिश्नर सुमित अग्रवाल द्वारा घर-घर आयुष्मान कार्ड शिविर आयोजन को प्रभावी बनाने के लिए दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन व मितानिनों की टीम सहित अन्य कर्मचारियों की टीम गठित की गई है। यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र हितग्राही इन योजनाओं से दूर न रहे। बुजुर्ग एवं असमर्थ लोगों को उनके घर जाकर योजनाओं का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। जिसके तहत घर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। कसारीडीह निवासी अवधर्षम चन्द्राकर 98 साल के बुजुर्ग के घर जाकर आयुष्मान कार्ड बनाया गया !शिविर में सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की जा रही है।कमिश्नर ने कहा कि सरकार की योजना का लाभ हर जरूरतमंद को मिलें। शिविर में सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जुड़ी पूरी जानकारी प्रदान कर लाभार्थियों के नाम सूचीबद्ध कर योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ देने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ लोगों का नया आयुष्मान कार्ड बनाया जाना है। इसके बाद वरिष्ठ नागरिक पंजीकृत किसी भी अस्पताल में पांच लाख तक नि:शुल्क उपचार करवा सकेंगे।

हसौद रेस्ट हाउस बना नायब तहसीलदार का परमानेंट हाउस साल भर से रेस्टहाउस में जमाया कब्जा

सक्ती समय दर्शन // जिले के हसौद में बने शासकीय रेस्ट हाउस अधिकारियों का घर बन गया है केवल विश्राम करने के लिए बने इस रेस्ट हाउस में कई महीनों से अधिकारी का कब्जा है

यहां के गेस्ट हाउस पर जिसका कब्जा है, वह हसौद नायब तहसीलदार भीष्म पटेल है जो पिछले साल भर से रेस्टहाउस में कब्जा किए बैठे है वैसे तो शासन से इन्हें मकान का किराया मिलता होगा, लेकिन मुफ्त के जुगाड़ में रहकर इसे भी बचाने की कवायद में रेस्ट हाउस को ही अपना मकान बना चुके हैं।

गौरतलब हो कि किसी भी शहर का रेस्ट हाउस वहां आने वाले व्हीआईपी, बड़े अधिकारी और विशेष अतिथियों के अस्थायी रूप से ठहरने का ठिकाना होता है।मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और विधायक से लेकर तमाम अधिकारियों के लिए नाममात्र का शुल्क देकर यहां रुकने की यहां व्यवस्था होती है।

लेकिन सक्ती जिला के हसौद में बने रेस्टहाउस में नायब तहसीलदार ने स्थायी कब्जा कर लिया है वहीं जिले मे बने रेस्ट हाउस में ऐसी अव्यवस्था को रोकने के लिए कलेक्टर द्वारा सत्कार अधिकारी की नियुक्ति की जाती है किंतु जिला प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

आयुक्त के निरीक्षण के दौरान नाली में कचरा डालते पाया, पहले साफ कराया उसके बाद फाइन लगा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र आज निरीक्षण के दौरान आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने देखा कि किराना दुकान के सामने एवं अन्य दुकान के सामने नाली में कचरा डाला गया है।प्लास्टिक पानी का गिलास, कुरकुरे, चिप्स, गुटका, पान का रैपर आदि का हाथ के पैकेट पानी पाउच नाली में पड़ा था।। जो उसे दुकानदार द्वारा बेचे गए ग्राहकों द्वारा फेंका गया था। वह अपने दुकान के सामने डस्टबिन भी नहीं रखा था। आयुक्त पहले सब साफ करवाये, उसके बाद कार्रवाई के निर्देश दिए। जोन क्रमांक 01 अंतर्गत नाली में कचरा डालने एवं प्रतिष्ठान में डस्टबिन नहीं पाये जाने वालो पर कार्यवाही की गई। वार्ड क्रं. 17 नेहरू भवन एवं वार्ड क्रं 18 कान्ट्रेक्टर कालोनी क्षेत्र का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान दुकानदार संचालको द्वारा सिगलयूज प्लास्टिक रखने एवं अनुज्ञप्ति लाईसेंस नहीं रखने वालो पर कार्यवाही की गई। प्रमुख रूप से शासकीय उचित मूल्य दुकान, राजकुमार साहू, आकाश कुमार गुप्ता, अर्जुन साव, देव टेलर्स एवं रूखमणी देवी वालो पर चालानी कार्यवाही करते हुए कुल 4600 रूपये अर्थदण्ड वसूला गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने अधिकारियो को निर्देश दिए है, कि जो भी व्यापारी सिंगलयूज प्लास्टिक में खादय सामग्री विक्रय कर रहे है या व्यवसाय परिसर, फल ठेला के आस-पास गंदगी फैला रहे है या फिर गीला एवं सूखा कचरे को अलग-अलग डस्ट बिन में नही डाल रहे है। उनके पास जाकर उनसे चालानी कार्यवाही कर अर्थदण्ड वसूला जाए। व्यापारियो को बार-बार समझाइस देने के बाद भी कचरा पृथक कर नहीं दे रहे है एवं सिंगलयूज प्लास्टिक पर खादय पदार्थ बेच रहे है, और शहर की साफ-सफाई में जो व्यापारी सहयोग नही कर रहे है। उन पर अर्थदण्ड की कार्यवाही लगातार की जा रही है। कार्यवाही के दौरान जोन प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अंकित सक्सेना, कमलेश द्विवेदी, संतोष हरमुख आदि उपस्थित रहे।

इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट (अंडर-14) में ब्रिलियंट के विद्यार्थी विजयी रहे

जांजगीर समय दर्शन //छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ रायपुर द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अंतर्विद्यालयीन अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थी विजयी रहे। इस प्रतियोगिता में जांजगीर जिले के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयीन विद्यार्थी शामिल हुए। जिसमें शिलशिले वार जीत का परचम लहराते हुए ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थी फइनल में पहुंचकर विजयी रहे। सर्वप्रथम ब्रिलियंट के विद्यार्थियों का पहला मैच भालेराव मैदान चाम्पा में अघोर विद्या पीठ स्कूल, पोड़ी दल्हा, अकलतरा के विद्यार्थियों के साथ हुआ जिसमें ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थियों को जीत हासिल हुई। क्वार्टर फइनल मैच में ब्रिलियंट के विद्यार्थियों का सामना डी.पी.एस. स्कूल चाम्पा के विद्यार्थियों के साथ हुआ जिसमें पुन: ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर के विद्यार्थी विजयी रहे। सेमी-फइनल मैच डेस्टिनेशन पब्लिक स्कूल, जाँजगीर के साथ रहा जिसमें जीत हासिल करते हुए ब्रिलियंट के विद्यार्थी फइनल में पहुंचे। फइनल मैच में हमारे विद्यार्थियों का सामना 6 वर्षो से विजयी रहे लांयस पब्लिक स्कूल, चाम्पा के साथ हुआ जिसमें

परचम लहराते हुए ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर की टीम विजयी रही। ब्रिलियंट क्रिकेट टीम के खिलाडियों में मुख्य में रूप से समर प्रताप सिंह (कप्तान), आर्यन श्रीवास्तव (उपकप्तान) अक्षत साहू, रियान कसेर, अर्जुन साहू, केशव अग्रवाल, उजैर अंसारी, यश बैसवार, अधिष्ठ जयसवाल, हिमांशु पटेल, प्रियांश पांडे, शौर्य राठौर, वैभव मिश्रा रहे। लांयस पब्लिक स्कूल, चाम्पा के खिलाफफाइनल मैच में अर्जुन साहू ने 130 रन तथा उजैर अंसारी 82 रन की शानदार पारी खेलते हुए 387 रन के साथ लांयस पब्लिक स्कूल, चाम्पा के सामने लक्ष्य रखा। जिसमें लांयस पब्लिक स्कूल, चाम्पा की टीम के द्वारा खेल का प्रदर्शन करते हुए 120 रन में आल आउट हो गए। हमारे खिलाडी प्रियांश पांडे ने 4 विकेट लेकर तथा अधिष्ठ जयसवाल ने 3 विकेट लेकर ब्रिलियंट क्रिकेट टीम को फइनल में जीत दिलाई। इस मैच में पहला रिकार्ड 200 से जादा रन की साझेदारी, दूसरा रिकार्ड अंडर 14 का सर्वाधिक स्कोर 386 रन का रहा, तीसरा रिकार्ड बल्लेबाज अर्जुन साहू द्वारा शानदार 130 रन की शतकीय पारी खेली और बल्लेबाज उर्जैर अंसारी ने टुर्नामेन्ट में अपना दूसरा अर्धशतक पूरा किया। साथ ही वैभव मिश्रा को बेहतरीन फील्डिंग के लिए पुरस्कृत किया गया। बेहतरीन खेल के लिये टीम के कोच आशीष राउत, बॉलिंग कोच मंयक दिव्य एवं मैनेजर श्री ऋषभ अग्रवाल को जिला क्रिकेट संघ ने जीत की बधाई प्रदान की। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर संस्था द्वारा विजयी विद्यार्थियों को आज दिनांक 02/01/2025 को संस्था के प्रार्थना प्रांगण में सभी विजयी प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी द्वारा विजयी प्रतिभागियो को बोनस अंक दिये जाने की घोषणा की गई। संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल जी द्वारा प्रतिभागियों को एवं संस्था को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

खबर-खास

गरियाबंद पुलिस द्वारा 20 लीटर अवैध शराब के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। नया सवेरा अभियान अंतर्गत वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में समस्त थाना प्रभारी अपनेये-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत गांजा,शराब,जुआ सट्टा पर कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिए थे।जिसके परिपालन मे 1 जनवरी को थाना प्रभारी फिंगेश्वर निरीक्षक पवन वर्मा को मुखबिर से सूचना मिल की ग्राम कुण्डेल के श्मशान घाट मे एक व्यक्ति अवैध रूप से देसी महुआ कच्ची शराब लोगो को बेच कर अवैध धन लाभ अर्जित कर रहा है।जिसकी सूचना तस्दीक पर थाना फिंगेश्वर से पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेड की कार्यवाही करते हुए आरोपी को मौके पर पकड कर नाम पता पुछने पर अपना नाम शलेश्वर सतनामी 24 वर्ष निवासी तरीघाट होना बताया।आरोपी के कब्जे से 4000 हजार रुपए के 20 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई।आरोपी का उक्त कृत्य अपराध का पाए जानें से आरोपी के विरूद्ध 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना दौरान आरोपी के विरूद्ध पर्याप्त सबुत पाये जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।इस कार्यावाही में थाना प्रभारी निरीक्षक पवन वर्मा के साथ अन्य अधिकारी/कर्मचारी की विशेष भूमिका रही।

गरियाबंद पुलिस की मानवीय पहल झारखंड से गुमा व्यक्ति को पता सजी कर उसके परिजनों को सौंपा

गरियाबंद (समय दर्शन)। 30 दिसंबर 24 को थाना मैनपुर कैंप ओढ़ क्षेत्र में एक व्यक्ति घूमते हुए मिला जिसे अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मैनपुर बाजी लाल सिंह के द्वारा नाम पता पूछने पर छोटू साव गृह ग्राम केंदूआ,थाना केंदुआड़ीह जिला धनबाद (झारखंड) बताया।जिससे स्ष्ठद्बक्क मैनपुर द्वारा तुरन्त पता सजी कर उनके परिजनों का पता लगाया और फेन व व्हाट्सएप के माध्यम से उनके परिजनों को बताया कि आकाश उर्फ छोटू थाना मैनपुर जिला गरियाबंद में है उनके परिजन सुन के अत्यधिक खुश हुए और बताए कि आकाश उर्फ छोटू विगत सात माह पूर्व बिना बताए घर से कहीं चला गया है और छोटू का मानसिक स्थिति ठीक नहीं है,हम लोग खोज बिन बहुत किए पर पता नहीं चला जिसके गुम होनी की सुचना थाना केंदुआडीह जिला धनबाद (झारखंड)में किए थे। आकाश उर्फ छोटू साव पिता बसंत साव उम्र 35 वर्ष ग्राम केदुआ थाना केंदुआड़ीह जिला धनबाद झारखंड को लेने उसके भाई विकाश साव मैनपुर पहुंचा जो अपने भाई को देखा कर बहुत ही भाऊक होकर बोला कि नव वर्ष को मेरे भाई को अपने पास पाकर अत्यंत खुश हु और इस के लिए गरियाबंद पुलिस को धन्यवाद जो विगत सात माह पूर्व गुम मेरे भाई आकाश को हमारे तक पहुंचाए।हमारे पूरे परिवार गरियाबंद का सदैव आभारी रहेंगे।थाना मैनपुर के द्वारा 1 जनवरी 25 नव वर्ष के दिन गुम व्यक्ति को उसके भाई को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। उक्त पता सजी करने में थाना प्रभारी शिव शंकर हुर्रा, प्रधान आरक्षक चूड़ामणि देवता ,गोपाल कोसरे,आर. मोती,प्रवीण,शिव कवर का विशेष योगदान रहा ।

गरियाबंद पुलिस की वर्ष 2024 की सफलता

विगत वर्ष की तुलना में वर्ष 2024 में विभिन्न अपराधों में कमी लाई गई

वर्ष 2025 में अपराध पर बेहतर अंकुश लगाने बनाई गई कार्ययोजना

गरियाबंद (समय दर्शन)। पुलिस विभाग द्वारा वर्ष 2024 के अपराधिक प्रकरणों में प्राप्त सफ्लता एवं अपराध का डाटा पेश किया गया। जिसमे महिलाओं पर घटित अपराध जैसे हत्या, बलात्कार,अपहरण,दहेज मृत्यु,शीलभंग,यौन उत्पीड़न आत्म हत्या के लिए प्रेरित करना,टोनही प्रताडना एवं अन्य भादवि व बी.एन.एस.वर्ष 2023 में कुल 612 प्रकरण एवं वर्ष 2024 में 463 प्रकरण दर्ज कर 24 प्रतिशत कमी लाया गया।वही डकैती वर्ष 2024 में 3 प्रकरण दर्ज की गई सभी प्रकरणो में आरोपी जेल में निरूद्ध है।चोरी एवं नकबजनी के वर्ष 2023 में कुल 128 और वर्ष 2024 में 109 प्रकरण दर्ज 20 प्रतिशत की कमी लाया गया।इसी प्रकार धोखाधडी के वर्ष 2023 में 40 एवं वर्ष 2024 में 22 प्रकरण दर्ज 45 प्रतिशत की कमी लाया गया।इसी क्रम में वर्ष 2024 में साइबर फायनेसियल फ्रॉड के 185 प्रकरणों में 8,61,911 रूपये होल्ड कर 3,40,565 में पीडित को रकम वापसी कराया गया साथ ही साइबर सेल द्वारा 36 गुम मोबाइल को रिकबर कर मोबाइल धारक को वितरण किया गया है।आबकारी अधिनियम के तहत वर्ष 2023 में कुल 702 प्रकरणों में 1485 लीटर शराब जप्त एवं वर्ष 2024 में 775 प्रकरण में 1987 लीटर जप्त की गई है।इस प्रकार 502 लीटर अधिक शराब जप्त किया गया है साथ वर्ष 2024 में कुल 101 प्रकरणों में कुल जप्त शराब 435 लीटर को गठीत टीम द्वारा मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में नष्ट किया गया।इस प्रकार नशे के विरूद्ध गांजा वर्ष 2023 में 36 प्रकरणों में 57 आरोपियों से 416 किलो ग्राम गांजा एवं 765 नग नशीली टेबलेट एवं वर्ष 2024 में 31 प्रकरणो में 49 आरोपियों से 615 किलो ग्राम गांजा व 423 नग नशीली टेबलेट जप्त की कार्यवाही किया गया। इसी प्रकार जुआ एवं सट्टा के वर्ष 2023 में 53 प्रकरण में 2,72,530 रूपये जप्त एवं वर्ष 2024 में 98 प्रकरण में 3,50,723 रूपये जप्त की गई है। इस प्रकारण जुआ एवं सट्टा में कार्यवाही कर 85 प्रतिशत की वृद्धि लाया गया। इस प्रकार गुम इंसान वर्ष 2023 में 388 जिसमें दस्तायाब 367 एवं वर्ष 2024 में गुम इंसान 448 में 396 में दस्तायाब कर 89 प्रतिशत सफ्लता प्राप्त किया गया इसी प्रकार पशु क्रुरता निवारण अधि0 के तहत 2024 में 3 प्रकरणो में कार्यवाही की गई। सड़क दुर्घटनओं में कमी लाने हेतु शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 33 प्रकरणों में कुल 1,40,000 रूपये का अर्थदण्ड माननीय न्यायालय के द्वारा दण्डित किया गया। इस प्रकार वर्ष 2024 में नक्सल अभियान के तहत कुल 4 प्रकरणों में विशेष सफ्लता हासिल की गई है। दो प्रकरणों में ईनामी नक्सलियों को मार गिराया, नक्सली सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा अवैध धन राशि उगाही कर जंगल में डम्प कुल 38 लाख रूपये बरामद किया गया।इसी प्रकार नक्सलियों के 1 नग सिंगलसाट रायफ्ल बरामद किया गया साथ ही नक्सली साहित्य,दैनिक उपयोगी के समाग्री भारी मात्रा में जप्त किया गया। इस प्रकार वर्ष 2024 में आदतन अपराधियों के अपराध में अंकुश लगाने के लिए कुल 8 बदमाशों का जिला बदर की कार्यवाही की गई।2024 में न्यायालय से प्राप्त 187 स्थायी वारंटों व 3,3,49 गिरफ्तारी वारंटों की तामिली की गई है।इस प्रकार वर्ष 2024 में 30 नवम्बर की स्थिति में अपरसत्र न्यायाधीश एवं अपरसत्र विशेष न्यायाधीश पॉक्सो के न्यायालय के 30 प्रकरणों में दोषसिद्ध किया गया है जिसमें 11 प्रकरणों में 20 वर्षों की सजा एवं 11 प्रकरणों में आजीवन कारावास व 10 वर्षो की सजा व शेष प्रकरणों मे 7 वर्ष और उससे कम वर्ष की सजा दी गई है। वर्ष 2025 की कार्ययोजना के तहत साइबर फ्रॉड के मामले में स्कूल/कॉलेज,हाट बाजार व सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता लाई जाएगी साथ ही साइबर फ्रॉड करने वाले आरोपियों के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही की जाएगी। सड़क दुर्घटनाओं में जान माल की हानि के रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जायेगा। इसी माह ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिक गुम बालक बालिका की बरामदगी की कार्यवाही की जाएगी। नशे के विरूद्ध नया सवेरा अभियान को निरंतर जारी रखते हुए प्रभावी कार्यवाही की जायेगी एवं गरियाबंद जिला को नक्सल मुक्त जिला बनाने हेतु विशेष अभियान चलाया जावेगा।

मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय पर करें पूर्ण – कलेक्टर अग्रवाल

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गरियाबंद जिले में प्रवास कार्यक्रम 5 जनवरी 2025 को संभावित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जिला प्रवास के दौरान विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण शिलान्यास करेंगे।इसी तारतम्य में कार्यक्रम की सभी तैयारियों के लिए कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे है।प्रस्तावित कार्यक्रम हेतु जिला पंचायत सीईओ रीता यादव को नोडल अधिकारी एवं अपर कलेक्टर प्रकाश सिंह राजपूत को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।कलेक्टर ने कार्यक्रम के संबंध में की जाने वाली तैयारियों की जानकारी देने आज विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।उन्होंने कार्यक्रम की सभी तैयारियां गरिमापूर्ण तरीके से सुनिश्चित करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय में पूर्ण करने के निर्देश दिये। साथ ही मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम के लिए दिये गए दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करने के भी निर्देश दिये। इस दौरान पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, डीएफ्ओ लक्ष्मण सिंह,जिला पंचायत सीईओ रीता यादव अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा सहित अन्य जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को सौंपे गए दायित्व आदेशानुसार पार्किंग, वाहन व्यवस्था,ट्रैफिक्र रूट चार्ट, कानून व्यवस्था,ब्लड ग्रुप व्यवस्था,कारकेट का दायित्व पुलिस विभाग को सौंपा गया है।इसी प्रकार वन विभाग को हेलीपेड,सम्पूर्ण कार्यक्रम एवं सुरक्षा व्यवस्था हेतु बांस-बल्ली उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी दी गई है। लोक निर्माण विभाग को कार्यक्रम स्थल गरिमानुरूप टैंट की सम्पूर्ण व्यवस्था,मंच के समीप पृथक से हितग्राहियों स्टॉल से मुख्य मंच तक आने हेतु सीढ़ी,रैम्प का आवश्यकतानुसार निर्माण तथा समस्त कार्यक्रम स्थल पर आवश्यकतानुसार समतलीकरण की जिम्मेदारी दी गई है।मंच की गरिमानुरूप सजावट,साज-सज्जा,फूल, माला,बुके इत्यादि का व्यवस्था एवं मंच तथा 'डी' क्षेत्र में गमले की समुचित व्यवस्था करने की जिम्मेदारी उद्यानिकी विभाग को दी गई है।लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग को लोकार्पण एवं भूमिपूजन की तैयारियों का दायित्व दिया गया है।शिक्षा विभाग को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन,बैच एवं अन्य कार्य कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन की संपूर्ण व्यवस्था उद्घोषकों की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है।विद्युत यांत्रिकी विभाग को कार्यक्रम स्थल पर साउंड सिस्टम मंच एवं आसपास लाइट का सिस्टम की व्यवस्था एलईडी स्क्रीन लगवाना आपात कालीन जनरेटर सहित मंच व दर्शक दीर्घा में प्रकाश की व्यवस्था,कार्यक्रम पर एक दिवसीय पूर्व साउंड सिस्टम एवं एलईडी स्क्रीन की जांच पड़ताल कर पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने की जिम्मेदारी दी गई है।कार्यक्रम स्थल पर जीवन रक्षक दवाइयां के साथ चिकित्सा दल में एंबुलेंस नियुक्त करने एवं उपचार की व्यवस्था सहित स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है।पीएचई विभाग को कार्यक्रम स्थल एवं पब्लिक एरिया पर स्वच्छ पेयजल तथा अन्य जगहो पर पेयजल व्यवस्था करने की जिम्मेदारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है।ग्राम मजरकट्टा से पुलिस लाइन एवं कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई की व्यवस्था एवं अलग-अलग स्थान पर डस्टबिन उपलब्ध कराने हेतु नगर पालिका को दायित्व सौंपा गया है।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम स्थल की तैयारी,हेलीपेड व्यवस्था,टेंट,साफ-सफाई,मंच की तैयारी, सामग्री वितरण,सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की तैयारी शुरू कर सभी कार्यो को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये।कार्यक्रम में हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर सामग्रियों का वितरण किया जायेगा।विभागीय स्टॉल लगाए जायेंगे।कलेक्टर ने इन सब की तैयारियां समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों को संबोधित भी करेंगे। इसके लिए आमजनों हेतु बैठक व्यवस्था भी व्यवस्थित रूप से सुनिश्चित करने निर्देश दिये।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर सुऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत् प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कुगदा निवासी दिलीप धीवर की मृत्यु 26 अप्रैल 2022 को तालाब के पानी में डुबने से, ग्राम भनसुली निवासी कुमारी यीशिका और कुमारी रूद्राणी की मृत्यु 21 अगस्त 2023 को तालाब के पानी में डुबने से हुई थी।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की समीक्षा बैठक 3 को आयोजित

महासमुंद। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के सफ्ल क्रियान्वयन हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन 03 जनवरी 2025 को प्रात: 11:00 बजे बीआरसी भवन महासमुंद में किया जाएगा। कार्यक्रम के सफ्ल संचालन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं सदस्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने कहा है। बैठक में प्रमुख एजेंडा के रूप में शत-प्रतिशत साक्षर ग्राम का सत्यापन जिसमें वार्ड स्तर पर 100त्न, ग्राम स्तर पर 2त्न एवं विकासखंड स्तर पर 2त्न सत्यापन पर चर्चा, 10वीं एवं 12वीं अध्ययनरत स्वयंसेवी शिक्षकों का विवरण गूगल शीट में सर्वेयर के माध्यम से संधारित कराने, प्रत्येक परिवार का सर्वेक्षण कर गूगल शीट में प्रविष्टि सुनिश्चित करने, ग्राम पंचायत प्रभारी एवं वार्ड प्रभारी की पहचान कर उल्लास (ह्वद्धस्ह्रक्कश्वह्लह्वड्डद्य) में प्रविष्टि के सम्बन्ध में चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही संकुल प्रभारी उल्लास पोर्टल पर स्वयंसेवी शिक्षकों की प्रविष्टि सुनिश्चित करेंगे।

बैठक, कर वसूली अमला को स्पष्ट निर्देश,ढिलाई कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी

दुर्ग। नगर पालिक निगम। कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व विभाग कमरा नंबर 3 में राजस्व अधिकारी आरके बोरकर द्वारा पदभार लेते ही एक्शन मोड़ पर दिखे। उन्होंने बैठक में समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों की ली क्लाश।कर वसूली की समीक्षा की।साथ ही बड़े बकायेदारों से कड़ाई कर करों की वसूली के निर्देश दिए।राजस्व अधिकारी आरके बोरकर ने वार्डवार वसूली एवं डिमांड की जानकारी लेकर डिमांड के विरूद्ध वसूली करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सहायक राजस्व निरीक्षकों की डिमांड के विरूद्ध मकान की संख्या एवं सम्पत्ति करदाता के संबंध में मांग पंजी से मिलान करें। साथ ही वसूली में तेजी लाने जोर लगाए व शतप्रतिशत वसूली के निर्देश दिये। राजस्व अधिकारी आरके बोरकर एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर ने समीक्षा में समस्त सहायक राजस्व निरीक्षकों व राजस्व उप निरीक्षकों से उनके प्रभारित वार्डों की वार्डवार वसूली की जानकारी ली। राजस्व वसूली शत प्रतिशत वसूली के निर्देश दिये। प्रत्येक वार्ड प्रभारी घर-घर जाकर वसूली करे, अवकाश के दिनों में आधा दिन भी घर घर वसूली करने के साथ साथ निगम के राजस्व कार्यालय में भी वसूली करना सुनिश्चित करे।उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोई करदाता टैक्स वाली देने में आना कानी करते है तो खूद टैक्स वसूली में साथ चलने की बात कही।

कार्यालय कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, मुंगेली (छत्तीसगढ़)

क्रमांक 7648/वा./वि.अ./2024
मुंगेली, दिनांक 31/12/2024

// ईश्तहार//

प्रति
आवेदक श्री ओमप्रकाश जांगड़े आ. प्यारेलाल जांगड़े, उम्र 30 वर्ष, जाति-सतनामी निवासी सांवतपुर तहसील सरगॉव जिला-मुंगेली (छ.ग.)
एवं
श्रीमती रंजीता पटेल आ. विजय पटेल, उम्र-24 वर्ष, जाति-मरार, निवासी सांवतपुर तहसील सरगाँव जिला-मुंगेली छ.ग.

एतद् द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954-55 की धारा-15 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत: प्राप्त सूचना प्रकाशन सर्व साधारण के लिए किया जाता है। इस विवाह पर यदि किसी प्रकार का कोई आपत्ति दावा हो तो दिनांक 10.01.2025 को समय 03:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/दावा पेश कर सकते है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार करना संभव नही होगा।

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
जिला मुंगेली (छत्तीसगढ़)
मुहर

// न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) //

क्रमांक/264 / क/वा-1/तह./2024
बसना, दिनांक 30/12/2024

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका विक्रम प्रधान पिता/पति अर्जीलाल निवासी ग्राम / नगर नानक सागर तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका पिता अर्जीलाल का दिनांक 6/9/2008 को स्थान नानक सागर में मृत्यू हुआ है। उक्त मृत्यू का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में पिता अर्जी लाल के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 13/1/25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 30.12.24 को मेरे हस्ताक्षर में न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
बसना

// न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.) //

क्रमांक/262 / क/वा-1/तह./2024
बसना, दिनांक 27/12/2024

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका जय प्रकाश प्रधान पिता/पति दयाराम प्रधान निवासी ग्राम / नगर पलसापाली ए तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक/आवेदिका पिता दयाराम प्रधान का दिनांक 9/3/1998 को स्थान पलसापाली ए में मृत्यू हुआ है। उक्त मृत्यू का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथि में पिता दयाराम प्रधान के मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 10/1/25 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 27.12.24 को मेरे हस्ताक्षर में न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
नायब तहसीलदार
बसना

//न्यायालय तहसीलदार कवर्धा, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)//

ई कोर्ट नं.202412082400041/ब/121/ वर्ष 2024-25, ग्राम- गदहाभाठा प.ह.नं.-04

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम-गदहाभाठा प.ह.नं.-04, रा.नि.मं. नेवारी तहसील कवर्धा को सूचित किया जाता है कि आवेदक गौकरण साहू आ. टेकसिंह साहू निवासी ग्राम गदहाभाठा तहसील कवर्धा जिला कबीरधाम (छ.ग.) द्वारा ग्राम गदहाभाठा में अपने पुत्र सचिन साहू का जन्म दिनांक 18.12.2008 का जन्म पंजीयन करने हेतु रजिस्ट्रार / ग्राम पंचायत सिंघनपुरी (मा), जिला-कबीरधाम (छ.ग.) को जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 एवं छ.ग. जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियम 2001 के नियम 9(3) के तहत निर्देश देने हेतु शपथ पत्र एवं विलम्बित जन्म-मृत्यु का पंजीयन किए जाने प्रस्तुत शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, पंचनामा, आधार कार्ड की फोटो प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 15.01.2025 को नियत किया गया है।

अत: आवेदक अपने पुत्र जिज्ञासू साहू आ0 गौकरण साहू के जन्म प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 31.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पद मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक-31.12.2024
पेशी दिनांक-15.01.2025

तहसीलदार
कवर्धा, जिला- कबीरधाम
मुहर

।। न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ।।

रा.प्र.क.24/अ-20(3)/वर्ष 2024-25

//ईश्तहार//

आवेदक राकेश कुमार अग्रवाल आ. स्व.दीनानाथ अग्रवाल निवासी वार्ड नं. 32 ब्राम्हण पारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट कं. 29 सी प्लाट नं. 10/1 क्षेत्रफल 210 वर्गमीटर भूमि धारकगण अनारकली अग्रवाल पति स्व. दीनानाथ अग्रवाल, राकेश, रजनीश, निशी, झरना आ. स्व. दीनानाथ अग्रवाल निवासी ब्राम्हण पारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। सहधारकगण अनारकली अग्रवाल पति स्व. दीनानाथ अग्रवाल, रजनीश, निशी, झरना आ. स्व. दीनानाथ अग्रवाल द्वारा आवेदक राकेश कुमार अग्रवाल के पक्ष में पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 17.12.2024 को निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखण्ड से हक त्यागकर्ता राहधारकों का नाम विलोपित कर स्वयं का नाम नजूल अभिलेख में यथावत् रखे जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16.01.2025 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वत: या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जाये। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27.12.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी
दुर्ग
मुहर

//आम सूचना//

छत्तीसगढ़ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्या. जामुल, भिलाई पंजीयन क्रमांक-3037, जिला-दुर्ग के मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन छ.ग. राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग रायपुर के आदेश के अनुपालन में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एस.एम. महापात्र द्वारा दिनांक 30/12/2024 को कर दिया गया है। सोसायटी के मतदाताओं को तत्संबंध में किसी प्रकार की दावा/आपत्ति यदि हो तो दिनांक 30/12/2024 से दिनांक 06/01/2025 तक मेरे द्वारा प्राधिकृत श्री अजय कुमार गुप्ता, सदस्य को सोसाइटी कार्यालय छत्तीसगढ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्या. जामुल, भिलाई पंजीयन क्रमांक-3037, जिला-दुर्ग को कार्यालयीन समय में सप्रमाण लिखित में प्रस्तुत कर सकते है। सदस्यों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिनांक 07/01/2025 को समय दोपहर 12:00 बजे कार्यालय छत्तीसगढ प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार मर्या. जामुल, भिलाई पंजीयन क्रमांक-3037, जिला-दुर्ग में किया जावेंगा। तत्पश्चात् अंतिम मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया जावेगा।

(एस.एम. महापात्र)
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

//न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव//

रा.प्र.क्र . /ब-121/2024-25
ग्राम दशरंगपुर, प.ह.नं. 07

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम दशरंगपुर वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक अश्वनी साहू पिता त्रिलोचन जाति तेली निवासी ग्राम दशरंगपुर तह. जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग. द्वारा अपने बुआ शांती बाई के मृत्यु दिनांक 20/07/1977 को ग्राम पंचायत दशरंगपुर में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अत: इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 15/01/2025 को प्रात: 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/12/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा को अधीन जारी किया गया।

मुहर
कार्यपालिक दंडाधिकारी
जरहागांव

//न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव//

रा.प्र.क्र . /ब-121/2024-25
ग्राम दशरंगपुर, प.ह.नं. 07

//उद्घोषणा//

एतद् द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम दशरंगपुर वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक अश्वनी साहू पिता त्रिलोचन जाति तेली निवासी ग्राम दशरंगपुर तह. जरहागांव, जिला मुंगेली छ.ग. द्वारा अपने दादी रामप्यारी के मृत्यु दिनांक 27/12/2010 को ग्राम पंचायत दशरंगपुर में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अत: इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 15/01/2025 को प्रात: 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/12/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा को अधीन जारी किया गया।

मुहर
कार्यपालिक दंडाधिकारी
जरहागांव

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, रायपुर, छत्तीसगढ़

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र. 133/ नि.शा./का.अ./ लो.स्वा.यां./खण्ड, रायपुर, दिनांक 23.12.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

स. क्र.	कार्य का नाम	ठेके की राशि (रू.लाख में)
1	पी.एच.ई. मंत्री के शासकीय आवास कार्यालय कमांक डी-8 सिविल लाईन रायपुर में पाईप लाईन बिछाने, इलेक्ट्रीकल्स एवं अन्य प्लम्बरिंग कार्य एवं अन्य सिविल कार्य (समस्त सामग्री सहित)।	2.50

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन समय में निविदा प्रपत्र कय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 07.01.2025 सायं 5.30 बजे तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
रायपुर छत्तीसगढ़

जी- 242504992/2

संक्षिप्त-खबर

पिथौरा अनुविभागीय अधिकारी की टीम ने लारीपुर मे किया 650 कट्टा अवैध धान जप्त

पिथौरा (समय दर्शन)। अनुविभागीय अधिकारी पिथौरा ओंकारेश्वर सिंह के नेतृत्व में ग्राम लारीपुर (टु.) में प्रशासनिक टीम द्वारा की गई आकस्मिक जांच के दौरान 650 कट्टा अवैध धान जब्त किया गया। यह धान मनीराम साहू के घर से बरामद हुआ। जांच के दौरान पाया गया कि, मनीराम के पास खेती की कोई जमीन नहीं है, और न ही वह धान के लिए कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सका। इससे स्पष्ट हुआ कि, धान अवैध रूप से संग्रहित किया गया था। प्राथमिक जांच में यह भी सकेत मिला कि यह धान कहीं और से लाकर यहां रखा गया था। विपणन अधिकारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए धान को जप्त कर लिया। अनुविभागीय अधिकारी सिंह का कहना है कि यह कार्रवाई क्षेत्र में अवैध धान भंडारण और उसके व्यापार पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई है। प्रशासन ने किसानों और व्यापारियों से अपील की है कि वे केवल वैध दस्तावेजों के साथ ही धान का भंडारण और व्यापार करें।

शासकीय प्रा. शा. बड़ेटेमरी में न्यौता भोज आयोजित किया गया

बसना (समय दर्शन)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया,विकासखंड स्रोत समन्वयक डॉ पूर्णानंद मिश्रा, एबीईओ बद्रीविशाल जोल्हे,विनोद शुक्ला,लोकेश्वर सिंह कंवर ,संकुल नोडल प्राचार्य शरद प्रधान के मार्गदर्शन में बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बड़ेटेमरी में प्रधान पाठक वारिश कुमार और सहा.शिक्षक श्रीमती नीलम कुमार,मथामणि साहू ने स्वप्रेरित होकर समस्त छात्रों को मिक्चर,केक,चॉकलेट,पानी बोतल और गुलाब जामुन वितरण कर न्यौता भोज कराया गया।

शासन द्वारा प्रदत्त मिलेट्स बार भी सप्ताह में तीन दिवस छात्रों को वितरण किया जा रहा है,जिससे समस्त छात्रों को मध्याह्न भोजन के साथ पूरक पोषण भी प्राप्त हो सके। शाला परिवार की ओर से सभी पालकों को ऐसे कार्यक्रम करने हेतु प्रेरित किया गया, जिससे मध्यान्ह भोजन के साथ ही साथ अतिरिक्त पोषण प्राप्त हो सके।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने पकड़ी आत्मनिर्भर बनने की नई राह

दुर्ग। शासन द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के माध्यम से नगर पालिक निगम भिलाई चरौदा के वार्ड नंबर 40 गनियारी पटेल पारा की महिलाओं ने जय माँ शाकाम्भरी स्व सहायता समूह के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की राह पकड़ ली। समूह में पन्द्रह महिला सदस्य है। महिला समूह के सदस्यों ने शुरूआत से ही स्वंय की सहायता हेतु बचत कर अपने समूह को सशक्त बनाने का प्रण लिया था। महिलाएं अपनी मेहनत और लगन से आत्मनिर्भर बन चुकी है। प्रारंभ में महिलाओं ने प्रति सदस्य 100 रूपए के आधार पर 1500 रूपए हर महीने बैंक में जमा करना प्रारंभ किया, जिसके उपरांत समूह को केन्द्र शासन की महत्वपूर्ण योजना दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत 10 हजार रूपए आवर्ति निधि प्रदान की गई। समूह की महिलाओं ने संकलित जमा राशि से और बैंक लिंकेज के माध्यम से एच.डी.एफसी. बैंक भिलाई-3 से 50 हजार रूपए ऋण प्राप्त करके 40 डिसमिल जमीन में सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किये। समूह की महिलाएं उत्पादित सब्जी को गांव के सप्ताहिकी और आस-पास के बाजारों में बेचकर 15 से 18 हजार रूपए तक की आदमनी अर्जित करने लगे हैं। सब्जी की खेती से समूह की महिलाओं को रोजगार मिला है। साथ ही बैंक ऋण चुकाते हुए उनकी इस उपलब्धि से समूह आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो गया है।

बसना विकासखण्ड के पूर्वोत्तर वनांचल क्षेत्र मे पानी के लिए हाहाकार

- ग्रामीणों ने बोर खनन की मांग की
- गाँव के महिलाओं ने पीएचई कार्यालय का किया घेराव

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के पूर्वोत्तर व वनांछल क्षेत्र के ग्राम सलखण्ड में पेयजल व्यवस्था के लिए हाहाकार मचा हुआ है।

उक्त संबंध मे बोर खनन एवं पंप स्थापना की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जनपद सदस्य ताराचन्द साहू के नेतृत्व में पीएचई कार्यालय सरायपाली का घेराव किया।

ताराचन्द साहू ने बताया कि विगत जुलाई माह में जनपद पंचायत बसना की सामान्य सभा की बैठक में उपस्थित पीएचई विभाग के अधिकारी-कर्मचारी द्वारा जानकारी में 10 प्वाइंट बोर खनन के लिए जिले से प्रस्तावित है, की जानकारी प्रदान की गयी थी। एवं इस संबंध मे किसी पंचायत में पेयजल की समस्या हो तो अवगत कराने के लिए सामान्य सभा में कहा।

जिसे प्रमुखता से बात रखते हुए पीएचई विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को अवगत कराया गया था। ग्राम सलखण्ड बाजार पड़ाव वार्ड 10 में पेयजल की बहुत ही समस्या है। बोर खनन की अति आवश्यकता है। जिस पर अधिकारी ने आश्वस्त किया कि, एक महीने में समस्या का समाधान हो जाएगा। मौके पर पीएचई के एसडीओ को भी मौखिक रूप से फोन पर भी जानकारी दी गई थी। इसके बाद पेयजल के लिए लगभग छह महीने बीत जाने पर भी संतोषप्रद कार्यवाही नहीं हुई। जिससे क्षुब्ध होकर जनपद सदस्य तारा चन्द साहू तथा ग्रामीण महिलाओं ने एसडीओ खिलेश साहू को ज्ञापन दिया गया। इस संबंध में एक हफ्ते में पेयजल की व्यवस्था के लिए बोर खनन के लिए आश्वस्त किया गया था। जिस पर ताराचंद साहू के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एक हफ्ते में समाधान नहीं होने की दशा में उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी दी।

ग्राम गड़बेड़ा मे मड़ाई महोत्सव की रही धूम, अतिथि भी थिरके

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम गड़बेड़ा मे छत्तीसगढ़ के सिंगर गोरेलाल बर्मन लोक सिंगार कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुति मे लोगों के साथ अतिथि भी थिरके।

महासमुंद जिले पिथौरा विकासखंड के ग्राम गड़बेड़ा में बड़े हर्षोल्लास के साथ मड़ाई मेला महोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आपको बता दे कि, मड़ई-मेला का ग्रामीण पर्व छत्तीसगढ़ की ग्रामीण जीवन व त्योहार का प्रतिबिंब होता है।

मड़ई मेले में रिश्तेदार, सगा-संबंधी निमंत्रण मिलने पर आते ऐसे आयोजन से छत्तीसगढ़ की संस्कृति को युवाओं के बीच परिचय कराने में सहायक होते हैं। इस मड़ई मेले के आयोजन में मुख्य रूप से मुकेश यादव जनपद उपाध्यक्ष, रतनलाल ध्रुव सरपंच, लोकनाथ नायक ग्राम विकास समिति अध्यक्ष, गौरव चंद्राकर पूर्व उप सरपंच, जगत देव पूर्व सरपंच जामपाली , कौशल रोहिल्ला युवा नेता, राजा राम राते ,लाल राम नाग सहित ग्रामीण जनप्रतिनिधि काफी संख्या में मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत राउत नाचा के द्वारा भव्य नित्य मनमोहक प्रस्तुति कर किया गया। राउत नाचा कार्यक्रम को देखते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश यादव भी थिरके। इस मड़ई मेला आयोजन रात्रि कालीन में गोरेलाल बर्मन लोक सिंगार सांस्कृतिक कार्यक्रम की टीम के द्वारा भव्य छत्तीसगढ़ संस्कृति को लेकर कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। जिसे देखने हजारों के तादाद में ग्रामीण और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

इस आयोजन को सफ्ल बनाने के लिए ग्रामीण विकास समिति के माधव लाल साहू, राम प्यार मधुकर, राधेश्याम पटेल, नरेंद्र पटेल, टीकाराम पटेल, भगवानदास, श्रवण बंजारे, एवन लाल वस्त्रकर, सरोज बंजारे, सहित ग्रामीण जनों का विशेष सहयोग रहा है।

सहकारिता से होगें रोजगार का सृजन-लखन लाल साहू

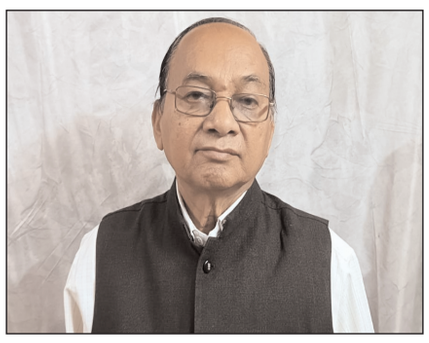

दुर्ग।(समय दर्शन)। सहकारिता से प्रदेश में एक लाख रोजगार के नए अवसर सृजित किए जायेगे। छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी राज्यों में भारतीय श्रम सहकारी समिति नई दिल्ली (आईएवसी) द्वारा भारतीय गुणवत्ता परिषद् (आईक्यूसी) के सहयोग से एक लाख रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे है।

इस आशय की जानकारी देते हुए आईएलसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लखन लाल साहू ने बताया कि वे सभी उद्योग जो सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) संचालित होते है उन्हें भारतीय गुणवत्ता परिषद् द्वारा जारी जेईडी सर्टिफिकेशन अनिवार्य होता है। रोजगार की तलाश में भटक रहे शिक्षित युवक जो 12वी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट हैं वे आईएलसी नई दिल्ली द्वारा प्रदेश में जारी ऑनलाईन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण सत्र को आईएलसी के अधिकारी के अतिरिक्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एमएसएमई एवं सहकारिता से रोजगार के अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते है।

दुर्ग में प्रशिक्षण सत्र पूरा होने के बाद दूसरा प्रशिक्षण सत्र 3 जनवरी को एक बजे दोपहर केन्द्रीय सहकारी बैंक मुख्यालय रायपुर के सभागार में किया जा रहा है। इस सत्र में रायपुर एवं आसपास क्षेत्र के महाविद्यालय के युवा छात्र भी भाग ले सकते है। प्रशिक्षित युवक प्रदेश के उद्योगों से संपर्क कर आनलाइन सूचना नई दिल्ली स्थित आईएलसी कार्यालय में भेज सकते है। प्रति उद्योग की जांच निरीक्षण पर 700 रू. से लेकर 1500 रू. प्रदान किया जाएगा जो सीधे आनलाइन उनके खाते में जाएगा।

संत शिरोमणि गुरूघासीदास जयंती समारोह नवागांव बी में मुख्य अतिथि : नारद साहू

जामगांव आर (समय दर्शन)। दक्षिण पाटन के ग्राम नवागांव बी में संत शिरोमणि गुरु घासीदास जयंती की जयंती पर मुख्य अतिथि नारद साहू युवा मोर्चा अध्यक्ष दक्षिण पाटन रहे!

अध्यक्षता कमलेश साहू मंडल अध्यक्ष दक्षिण पाटन, विशेष अतिथि रूपेंद्र साहू समाजसेवी, विशेष अतिथि चंद्रभान साहू सरपंच नवागांव, युवराज साहू उपसरपंच नवागांव, कार्तिकराम टंडन, नीलकंठ यादव ,उधोराम साहू, डोमनलाल टंडन ,तुलसीराम साहू ,डोमारसिंह साहू, अभिषेक सेन बूथ अध्यक्ष भाजपा नवागांव, संजू साहू लोकगायक मंच पर आसीन रहे।

मुख्यअतिथि नारद साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हर साल 18 दिसंबर को गुरु घासीदास की जयंती मनाई जाती है घासीदास 1756 से लेकर 1850 तक जीवित रहे और हिंदू धर्म में सतनाम संप्रदाय के नेता थे उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में सतनामी समुदाय की स्थापना की जो आज भी जारी है, और कम शब्दों के

साथ सतनामी समाज को बहुत-बहुत बधाई और साथ में समस्त ग्रामवासी नवागांव को नववर्ष की स्नेह भरा अग्रिम बधाई दिया।

अध्यक्षता कर रहे हैं भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू ने बाबा गुरु घासीदास के प्रवर्तक के मनखे मनखे एक समान के बारे ऐ में उनके जीवन परिचय में प्रकाश डाले हैं। वही अभिषेक सेन बताया रात्रिकालीन कार्यक्रम के साथ गग्रामीणों ने नववर्ष मनाया गया जिसमें बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ आतिशबाजी कर समस्त ग्रामीणों को मिठाई खिलाकर 2025 लगने पर.

समाज के पदाधिकारी धनराजसिंह जांगडे, रामसिंह देशलहरे,चंदूलाल टंडन,तेजराम जांगड़े,कमल महलवार,परमानंद सोनवानी, डोमनलाल टंडन, विरोध जटवार, भानु महलवार, दूज महलवार, मुंशी देशलहरे, नारायण देशलहरे, तुशांत टंडन, तारेंद्र टंडन,परमानंद टंडन, पारसमणी महलवार , चंदन महलावार, डेमन, लोकेश जागंडे, सहित समस्त सतनामी समाज एवं ग्रामवासी नवागांव उपस्थित रहे।

रात्रिकालीन छन्नू मन्नू नाच पार्टी निपानी बालोद का आकर्षक प्रस्तुति रहा और पंथी नित्य ग्राम पांगरी के सतनामी समाज के युवाओं द्वारा बहुत थे आकर्षक प्रभात फेरी के साथ किया गया यह जानकारी सतनामी समाज के अध्यक्ष धनराज सिंह जांगड़े ने दिया।

मानिकपुरी ने अपने पुत्र और भाई के बरसी कार्यक्रम में पेंड्रीतराई स्कूल में न्योता भोज कराया

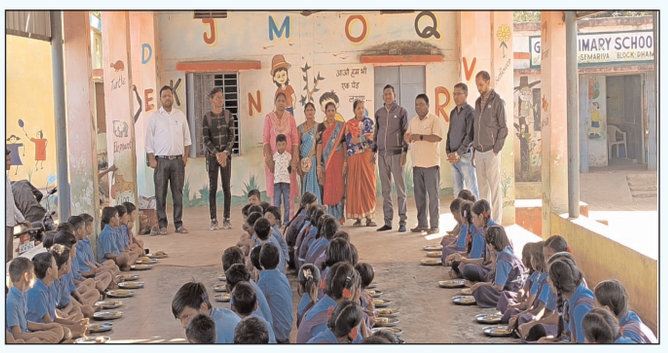

होमन सिंह ठाकुर

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई,संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में नारायणदास मानिकपुरी,ग्राम कोटवार ने अपने पुत्र हीरादास मानिकपुरी और अपने भाई के बरसी कार्यक्रम के अवसर पर प्रधानमन्त्री सुपोषण शक्ति निर्माण योजनांतर्गत न्योता भोजन का आयोजन किया गया। फल और मीठा के साथ सम्पूर्ण भोजन खिलाकर बच्चो को आंशिक रूप अतिरिक्त पोषक आहार से लाभान्वित किया गया। यह एक महत्वपूर्ण योजना है जिसमे बच्चो को लाभान्वित किया जाता है,जिससे समुदाय के लोगो का जुड़ाव शाला में होता है। इस अवसर पर प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की,सीएसी सूर्यकांत हरदेल, षड़ानंद देशलहरे,मिथलेश कुमार जायसवाल, चंद्रकांत,नीलम शशि कुजूर, संतोष कुमार पात्रे शिक्षक,मितानिन जमुना देवी देशलहरे,मानिकपुरी के पूरे परिवार एवम् अन्य ग्रामीण जनों की उपस्थिति रही। शाला परिवार द्वारा इस पुनीत कार्य के लिए मंगलकामनाए किए।

गांव मे अवैध शराब बिक्री से धौराभांठा ग्रामीण परेशान होकर कलेक्टर दफ़्तर पहुंचे

योगेश कुर्रे

सारंगढ़ (समय दर्शन)। वैसे तो पुलिस प्रशासन अवैध शराब पर लगातार कार्यवाही करते आ रहे है लेकिन उसके बाद भी शराब तस्कर के हौसले बुलंद है बेखौफ़ होकर गांव मे बेच रहे शराब जिसको लेकर अब महिलाये उग्र हो चुकी ग्रामीणों ने कई बार गांव मे समझाइश दे चुके लेकिन बिक्री बंद नहीं हुई अब ग्रामीणों ने कलेक्टर कार्यालय का रुख किया है। आपको बता दे सिटी कोतवाली सारंगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत धौराभांठा के महिला सदस्यों ने शराब बंदी को लेकर मोर्चा खोल दिया है। ग्राम लाला धुर्वा व धौराभांठग में अवैध रूप से गाँव के अंदर शराब बिक्री हो रहा है जिसके तहत गाँव के अधिकांश व्यक्ति

शराब पीकर गांव में दिन को भी और रात को भी अभद्र गाली गलौज, करके आम जनताओं को मार पीटकर रहें हैं जिससे हमारा जीवन यापन व गांव का जीवन खतरे कगार पर आ गया है। गांव मे अशांति फैल रही अपराध बढ़ता जा रहा है जिसको लेकर सैकड़ो की संख्या मे महिलाओं ने शराब बंद करने को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। वही कलेक्टर ने आश्वाशन दिया आबकारी विभाग को प्रेषित किया गया जांच कर शराबियों के ऊपर कार्यवाही करे। त्वरित कार्यवाही नहीं होने से आगे महिलाएं उग्र आंदोलन करने के लिए तैयार है।

ग्राम धौराभांठा की महिलाओ ने उठाई सराहनीय कदम

शराब की लत मे आज गांव के छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक डूब चुके है और शराब की नशे मे धुत होकर अपना जीवन ख़राब कर रहे है और खासकर के 15 से 25 साल के युवा नशे का धीमा जहर उन्हें अन्दर से खोखला करता जा रहा है। ऐसे मे अपने और अपनों की स्वास्थ्य की चिंता सरकार के साथ खुद को भी करना होगा सरकार तो कह रही शराब सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन उसे अपनाने वाला बहुत कम ही मिलेंगे ऐसे मे धौराभांठा ग्राम पंचायत की महिलाओ ने सराहनीय कदम उठाये है, जिन्होंने शराब जैसे जहर के लिए आगे आकर विरोध किया। इस कदम को अगर सही तरीके से अमल मे लाया जाये तो आज का ही नहीं कल की पीढ़ी तक इसके अच्छे संकेत मिलेगा। शराब बंदी को लेकर सिर्फ धौराभांठा की महिलाओ को ही नहीं बल्की अन्य गांव की महिलाओ को आगे आना चाहिए और सिर्फ महिला समूह ही नहीं बल्की समुचिय वर्ग को आगे आना चाहिए।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26